RNI N.- BIHBIL/2022/88070

राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र

www. bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर



"खबरों से समझौता नहीं"

पटना, वर्षः 7 , अंकः 265 , मंगलवार, 10 नवंबर 2026 मूल्यः 5:00, पृष्ठः8 9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com



महादलित बस्तियों में पहुंची हरसिद्धि पुलिस बच्चों के बीच बांटी मिठाई और पाठ्य सामग्री 03



23 वर्षों से पेड़-पौधों के साथ दीपावली मना रहे गजेंद्र यादव 04

जान्हवी कपूर पर भड़की रेजिना कैसेंड्रा- सीन पसंद नहीं तो छोड़... 07

संक्षिप्त समाचार

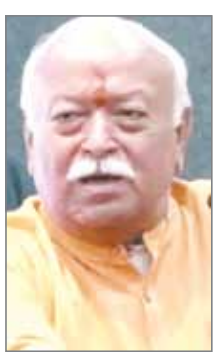
बंगाल में भतीजी से रेप-मर्डर का आरोपी एनकाउंटर में ढेर

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के उत्तर दिनाजपुर जिले में 12 साल की भतीजी से रेप-मर्डर के आरोपी दिलीप रॉय की सोमवार सुबह पुलिस एनकाउंटर में मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक, रायगंज के परापुकुर गांव में उसे पकड़ने के लिए छापेमारी की गई थी। इस दौरान आरोपी ने पुलिस पर गोली चलाई, जो पुलिस वैन के टायर में लगी। जवाबी गोलीबारी में वह घायल हो गया। अस्पताल ले जाने पर डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस घटना के बाद से फरार आरोपी की चार दिन से तलाश कर रही थी। राज्य मंत्री दिलीप घोष ने कहा कि कानून तोड़ने वालों को पुलिस का सामना करना पड़ेगा। राज्य में मई में भाजपा की सरकार बनने के बाद पुलिस मुठभेड़ में किसी आरोपी की मौत का यह चौथा मामला है। परिवार के मुताबिक, बच्ची 3 नवंबर को साइकिल लेकर घर से निकली थी, लेकिन वापस नहीं लौटी। 5 नवंबर को कुलिक नदी के पास जंगल में उसका शव मिला। परिजनों ने दुष्कर्म के बाद हत्या का आरोप लगाया था। पुलिस के मुताबिक, दिलीप रॉय बच्ची का रिश्तेदार था और उसे नदी दिखाने के बहाने जंगल ले गया था। घटना के बाद वह फरार हो गया था। पुलिस को सोमवार रात करीब 2 बजे सूचना मिली थी कि आरोपी बिहार सीमा के पास छिपा है।



1930 में आरएसएस पर बैन लगाने की हुई थी कोशिश

नागपुर (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत ने 1930 के दशक का एक किस्सा सुनाते हुए बताया कि उस समय सेंट्रल प्रोविंस की विधानसभा में संघ पर प्रतिबंध लगाने की कोशिश हुई थी। उन्होंने कहा- उस समय संघ के समर्थन में कोई स्वयंसेवक सामने नहीं आया था। ऐसे में इब्राहिम नाम के एक व्यक्ति ने संघ का पक्ष रखते हुए कहा था कि संघ को बंद नहीं किया जाना चाहिए और क्योंकि वह सांप्रदायिक संगठन नहीं है। भागवत ने बताया कि इब्राहिम का कहना था- जो लोग कहते हैं कि हिंदुस्तान हिंदू राष्ट्र है, उन्हें मेंटल हॉस्पिटल भेज देना चाहिए। मैं डॉ. हेडगेवार को जानता हूं, वह मेंटल नहीं हैं, वह एक अच्छे इंसान हैं। इसलिए, संघ कम्युनल नहीं हो सकता। **व्यक्ति निर्माण से देश निर्माण**- आरएसएस का उद्देश्य व्यक्ति निर्माण के जरिए समाज और देश को बेहतर बनाना है। संघ के संस्थापक डॉ. हेडगेवार का मानना था कि अच्छे व्यक्ति से ही अच्छा समाज बनता है।



38 हजार करोड़ पार, इसमें प्राइवेट सेक्टर का हिस्सा 45 फीसदी

पांच साल में देश का डिफेंस एक्सपोर्ट साढ़े 4 गुना हुआ

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश ने पिछले 5 साल में रक्षा उत्पादन में एक बड़ी क्रांति दर्ज की है। यह बदलाव सैन्य टेक्नोलॉजी निजी क्षेत्र के साथ साझा करने से हुआ है। सेना के लिए हथियार और साजो-सामान तैयार करने के मामले में अब सरकारी प्रतिष्ठानों के साथ निजी कंपनियों का बड़ा नेटवर्क खड़ा हो गया है। हथियार आयात करने के मामले में शीर्ष 5 देशों में गिने जाने वाले भारत ने इसके दम पर तस्वीर उलट दी है। पहली बार सेनाओं के लिए हथियारों के आयात पर जितनी रकम खर्च हुई, उससे अधिक का रक्षा निर्यात देश ने किया। अखबार ने उच्च स्तरीय और अत्याधुनिक सैन्य टेक्नोलॉजी निजी उद्योगों को देने और उससे हुए बदलाव की पड़ताल की। इसमें सामने आया कि रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) से मिली टेक्नोलॉजी के बल पर निजी कंपनियों का रक्षा निर्यात 5 सालों में 7,271 करोड़ रु. से बढ़कर 17,353 करोड़ रु. हो गया।



- **निजी सैन्य इंडस्ट्री ने निर्यात में 138.7 फीसदी की बढ़ोतरी**- निजी सैन्य इंडस्ट्री ने निर्यात में 138.7 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की। संसद में पेश आंकड़े के अनुसार, 2025-26 में विदेशी पूंजीगत रक्षा खरीद पर 37,047.31 करोड़ रु. खर्च हुए थे, जबकि इसी अवधि में भारत से सरकारी और निजी कंपनियों का रक्षा निर्यात 38,424 करोड़ रुपए रहा, जिसमें निजी सैन्य इंडस्ट्री का योगदान 45.2 फीसदी दर्ज हुआ। बड़ी वजह यह रही कि मिसाइलों से लेकर रडार, ड्रोन और कॉम्बैट उपकरणों तक निजी उद्योग को डीआरडीओ से 2,372 टेक्नोलॉजी का ट्रांसफर हुआ। रक्षा प्रतिष्ठान से जुड़े अधिकारियों ने कहा कि किसी बड़े सैन्य संकट में हथियारों और उपकरणों की आपूर्ति के लिए देश को सरकारी कारखानों पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा। सूत्रों ने बताया कि रक्षा उत्पादन में एक और बाधा दूर करने की दिशा में बड़ा फैसला हुआ है, जिसके तहत उद्योगों के साथ टेक्नोलॉजी सॉफ्टवेयर का सोर्स कोड साझा किया जा सकेगा। आधुनिक रडार, ड्रोन, सेंसर और इलेक्ट्रॉनिक युद्ध प्रणालियों में उपकरण के साथ उसका सॉफ्टवेयर बेहद अहम है। इस वित्त वर्ष में रक्षा उत्पादन 1.78 लाख करोड़ रु. पहुंच चुका है। इसमें निजी क्षेत्र का योगदान करीब 24 फीसदी हो गया। 5 साल में स्वदेशी रक्षा उत्पादन 3 लाख करोड़ रु. तक पहुंचेगा। डीआरडीओ को एक्सपोर्ट ऑर्डर पर 2 से 5 फीसदी तक रॉयल्टी मिलती है।

श्रीनगर में 4 आतंकियों की तलाश, लालचौक पर बैनर लगा



श्रीनगर (एजेंसी)। श्रीनगर के लाल चौक इलाके में रविवार सुबह चार वांटेड आतंकियों की जानकारी मांगने वाला बैनर लगाया गया है। यह बैनर प्रताप पार्क की दीवार पर टांगा गया है। इसमें आतंकियों के नाम और तस्वीरें हैं। बैनर में मोहम्मद लतीफ भट की तस्वीर भी शामिल है। वह इस साल जुलाई में अनंतनाग में एक पुलिसकर्मी की हत्या में शामिल था। इसके अलावा बिलाल अहमद मीर, मोहम्मद उमर मीर और आबिद कयूम लोन का नाम भी है। ये तीनों बारामूला जिले के रहने वाले हैं। बैनर पर लिखा है, जो भी इन आतंकियों की आवाजाही या मौजूदगी के बारे में विश्वसनीय जानकारी दे सकता है, उसकी पहचान पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी और अच्छा इनाम दिया जाएगा।

कहीं खुशी तो कहीं गम लेकर आई यह दीवाली

आतिशबाजी के रंगों से सराबोर रहा आसमान

देश भर में धूमधाम से मनी दीवाली, करोड़ों की आतिशबाजी

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश भर में दीपावली की धूम रही। इस बार कई करोड़ रुपए की आतिशबाजी हुई। नगर से लेकर गांवों तक दीपोत्सव की धूम रही। घरों में दीपों और बिजली की रंगीन मालाओं से रोशनी बिखरी तो आसमान देर रात तक आतिशबाजी के रंगों से सराबोर रहा। लक्ष्मी पूजन के बाद लोगों ने जमकर पटाखे जलाए। दीपावली से दो दिन पहले ही लोगों ने घरों को फूलों, रंगीन झालरों और बिजली की मालाओं से सजाना शुरू कर दिया था। रविवार को खूब धूम रही।



दीवाली के बाद दिल्ली में प्रदूषण का कहर

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में रविवार को धूमधाम से दीवाली मनाई गई। दिल्लीवासियों ने जमकर आतिशबाजी की, जिसके कारण प्रदूषण का स्तर काफी ज्यादा बढ़ गया। पीटीआई रिपोर्ट के मुताबिक इस दीवाली ने पिछले पांच सालों के रिकॉर्ड को तोड़ दिया। इस साल सबसे ज्यादा प्रदूषण वाली दीवाली रही। दिल्ली में दीवाली पर औसत एक्यूआई 376 दर्ज किया गया। दीवाली के अगले दिन यानी सोमवार को स्थिति लगभग वैसी ही रही। सुबह 10 बजे तक पूरा शहर धुएं की चादर से ढका रहा।



दीवाली की रात देश भर में आग से 23 की मौत

एमपी में 13 की जान गई, महाराष्ट्र में एक ही परिवार के 6 की मौत

नई दिल्ली (एजेंसी)। दीवाली की रात देश के कई शहरों में पटाखों और अन्य कारणों से लगी आग में 23 लोगों की मौत हो गई, जबकि कई लोग घायल और कुछ लापता हैं। सबसे ज्यादा मौतें मध्य प्रदेश में हुई, जहां तीन अलग-अलग घरों में आग लगने से 13 लोगों की जान चली गई। वहीं महाराष्ट्र के धाराशिव जिले में एक मकान में रहने वाले परिवार के छह लोगों की मौत हो गई। मुंबई के लोखंडवाला में आग लगने की एक अन्य घटना में भी एक व्यक्ति की जान चली गई। इसके अलावा, राजस्थान के पाली में पटाखों की दुकान में आग लगने से 2 लोगों की मौत हो गई, जबकि 3 लोग लापता हैं। हादसे में तीन दुकानें और कई दोपहिया वाहन जल गए। वहीं, दिल्ली के नरेला में रॉकेट पटाखा पेट में लगने से 10 साल के बच्चे की मौत हो गई। मध्य प्रदेश के कटनी जिले में मकान में आग लगने से एक ही परिवार के 6 लोगों की मौत हो गई। इनमें 3 बच्चे भी शामिल हैं जिनमें से एक 2 महीने का था। वहीं, सिवनी जिले में सराफा व्यापारी के मकान में आग लगने से 6 लोगों की जान चली गई। इनमें एक 16 साल का किशोर भी शामिल है।



प्रधानमंत्री मोदी ने बस्तर में जवानों के साथ मनाई दीवाली

कहा-हथियार वाले नक्सली गए, अब दिमागी नक्सलियों से लड़ना होगा



नई दिल्ली (एजेंसी)। पीएम मोदी ने रविवार को कहा कि नक्सलवाद का खतरा अभी पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है। जंगलों से हथियारबंद नक्सलियों का सफाया हो चुका है, लेकिन अब दिमागी नक्सलियों से खतरा है। उन्होंने दावा किया कि इन लोगों ने कई राजनीतिक संगठनों में घुसपैठ कर ली है। हमें उनकी पहचान कर खत्म करना होगा। ये लोगों को संविधान और लोकतंत्र के खिलाफ भड़का रहे हैं। पीएम ने यह बात छत्तीसगढ़ के बस्तर में कोबरा ऑपरेशंस बेस में सीआरपीएफ जवानों के सामने कही। पीएम यहां दीवाली मनाने पहुंचे थे। उन्होंने 42 मिनट स्पीच दी। पीएम लगातार 13वीं बार जवानों के साथ दीवाली मनाने पहुंचे थे।

देश का हर जिला नक्सलवाद से मुक्त हुआ

2026 की दीवाली बेहद खास है। 40-50 साल बाद पहली बार देश का हर जिला नक्सलवाद से मुक्त हुआ है। करोड़ों लोगों ने नक्सलवाद का डर पीछे छोड़ दिया है। पिछले एक साल में ड्यूटी के दौरान सीआरपीएफ के किसी जवान की जान नहीं गई। यह सुरक्षा बलों के शौर्य, साहस और सरकार की सही नीतियों की जीत है। 2004 से 2013 तक हर साल नक्सलियों के मुकाबले हमारे ज्यादा जवान शहीद हुए। पिछली सरकारों ने नक्सलवाद को ऐसी बीमारी मान लिया था, जिसका कोई इलाज नहीं है। जब किसी देश की आंतरिक सुरक्षा मजबूत होती है, तो बाहरी दुश्मन सफल नहीं हो पाते, लेकिन जब आंतरिक सुरक्षा कमजोर होती है, तो बाहरी दुश्मन हावी।

पीएम ने हमें नक्सली कहा, मुझसे बहस करें

- राहुल गांधी ने आठ दिन में पीएम को 6वीं बार दी चुनौती



नई दिल्ली (एजेंसी)। राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक बार फिर खुली बहस की चुनौती दी है। इस बार उन्होंने सीधे सीआरपीएफ के जवानों को टैग करके पोस्ट किया है। पिछले 8 दिन में यह छठी बार है, जब राहुल गांधी ने पीएम मोदी को बहस के लिए बोला है। राहुल गांधी ने एक्स पर लिखा -प्रिय सीआरपीएफ के जवानों, आपके चेहरों ने सब बता दिया - आपको प्रधानमंत्री के झूठ पर भरोसा नहीं। उन्होंने हमें नक्सली कहा। मेरी चुनौती कायम है। वो मुझसे बहस करें - देशद्रोही कौन है और विदेशी ताकतों के इशारे पर कौन चल रहा है। कोई भी समय, किसी भी जगह। मेरी गारंटी है उस बहस के बाद प्रधानमंत्री में एक भी जवान के सामने खड़े होने की हिम्मत नहीं होगी। दरअसल, पीएम मोदी ने इस बार दिवाली छत्तीसगढ़ के बस्तर में सीअरापीएफ जवानों के साथ मनाई थी। राहुल ने उसी सेलिब्रेशन का एक वीडियो भी शेयर किया है।

अर्से बाद तेजस्वी और तेज ने साथ काटा केक

लालू ले ही आए दोनों बेटों को साथ, मना जश्न

पटना (एजेंसी)। बिहार की राजनीति के लिए ये वीडियो काफी बड़ा संदेश भी साबित हो सकता है। तेजस्वी यादव दिवाली के मौके पर पिता लालू प्रसाद यादव और मां राबड़ी देवी के घर कौटिल्य नगर पहुंचे थे। अगले ही दिन 9 नवंबर को उनका जन्मदिन भी था। इस दौरान आधी रात को ही तेजस्वी यादव ने जन्मदिन पर दो केक काटे। उनके साथ खड़े थे उनके बड़े भाई तेज प्रताप यादव। चौंकिए नहीं, अर्से बाद दोनों भाइयों का साथ खड़े वीडियो सामने आया है। राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव को पॉलिटिकल मैनेजमेंट का माहिर खिलाड़ी माना जाता है। ऐसे में उनके दोनों बेटों के बीच गहरी खाई थी।



राजद सुप्रीमो ने अपना दिमाग लगाया और अर्से बाद दोनों भाइयों को एक साथ, एक जगह लाकर खड़ा कर दिया। ये अलग बात है कि तेज प्रताप यादव राजद से अपनी राह जुदा कर चुके हैं। लालू प्रसाद यादव ने इस खाई को परिवार तक आता देख चुके हैं। ये दरार और चौड़ी हो, इससे पहले लालू यादव ने दीवाली के मौके पर तेजस्वी यादव और तेज प्रताप यादव को अपने आवास बुला लिया।

मिलावट जांचने के लिए फ्यूल सैंपल जुटाने की प्रक्रिया शुरू

कर्नाटक के बाद अब केरलम जानेगा एथनॉल की हकीकत

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)। केरलम सरकार ने राज्य भर के पेट्रोल पंपों पर औचक निरीक्षण और पेट्रोल के रैंडम नमूनों की लैब जांच शुरू करने के आदेश दिए हैं। इसका उद्देश्य यह पता लगाना है कि क्या ईंधन में एथनॉल का मिश्रण कानूनी रूप से तय 20 प्रतिशत (ई 20) की सीमा से अधिक तो नहीं किया जा रहा है। केरलम नागरिक आपूर्ति विभाग की सख्ती पड़ोसी राज्य कर्नाटक में कांग्रेस सरकार के मंत्रियों द्वारा लगाए गए उन आरोपों के बाद सामने आई है, जिसमें दावा किया गया था कि पेट्रोल में अत्यधिक एथनॉल मिलाने से गाड़ियों के इंजन खराब हो रहे हैं और माइलेज में भारी गिरावट आ रही है। आदेश जारी होते ही प्रवर्तन टीमों ने कोच्चि सहित राज्य भर के ईंधन स्टेशनों पर ई 20 पेट्रोल के नमूने एकत्र करने की प्रक्रिया शुरू कर दी। एर्नाकुलम जिले के चेम्बुमुक्कु स्थित इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन के एक पेट्रोल पंप पर अधिकारियों ने तेल कंपनी के प्रतिनिधियों की मौजूदगी में पेट्रोल के कई बैच से नमूने लिए। निरीक्षण की निगरानी कर रहे एर्नाकुलम के जिला नागरिक आपूर्ति अधिकारी शाजी पीआर ने बताया कि चेम्बुमुक्कु स्थित पंप से साधारण पेट्रोल के एक-एक लीटर के छह नमूने एकत्र किए गए हैं। इनमें से दो नमूनों को एथनॉल की मात्रा जांचने के लिए लैब भेजा है और रिपोर्ट का इंतजार है।



केंद्र सरकार और तेल कंपनियों ने आरोपों को नकारा

केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्रालय ने कर्नाटक सरकार के इन दावों को खारिज कर दिया है। मंत्रालय का कहना है कि 27 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के सरकारी पेट्रोल पंपों से लिए गए ई 20 पेट्रोल के सभी 893 नमूनों की जांच की गई थी, और वे सभी तय गुणवत्ता मानकों पर पूरी तरह खरे उतरे हैं। वहीं, सार्वजनिक क्षेत्र की तीनों प्रमुख तेल कंपनियों इंडियन ऑयल, भारत पेट्रोलियम और हिंदुस्तान पेट्रोलियम ने एक संयुक्त बयान में स्पष्ट किया है कि एथनॉल ब्लेंडिंग पूरी तरह से ऑटोमेटेड और कड़े नियमों के तहत की जाती है।

राहुल के बाद अब प्रियंका के पंजाब दौरे की तैयारी

दोआबा या मालवा में रैली कराने पर मंथन

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पंजाब विधानसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस ने अपनी राजनीतिक गतिविधियां तेज कर दी हैं। 4 नवंबर को संगरूर के फग्गूवाला में राहुल गांधी की इंसाफ रैली के बाद अब पार्टी राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा को पंजाब लाने की तैयारी में जुट गई है। दिसंबर में उनके दौरे की संभावना है। इस दौरान दोआबा या मालवा क्षेत्र में बड़ी रैली आयोजित करने पर विचार किया जा रहा है। हालांकि, दौरे की तारीख और रैली स्थल अभी तय नहीं हुए हैं। प्रियंका के दौरे को लेकर दिल्ली में कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व और पंजाब के नेताओं के बीच चर्चा हो चुकी है। पंजाब कांग्रेस प्रधान परगट सिंह और प्रदेश के कुछ वरिष्ठ नेता दिल्ली पहुंचे थे।



बैठक में राहुल और प्रियंका के साथ पंजाब की चुनावी रणनीति, संगठन की सक्रियता और राष्ट्रीय नेताओं के दौरों पर विचार-विमर्श किया गया। पार्टी की कोशिश है कि राहुल की रैली के बाद बने राजनीतिक माहौल को बरकरार रखा जाए और राज्य में राष्ट्रीय नेतृत्व की सक्रियता लगातार दिखाई दे। कांग्रेस का अभियान केवल बड़ी रैलियों तक सीमित नहीं रहेगा। पार्टी जनता के बीच पहुंचने और स्थानीय मुद्दों को समझने के लिए विशेष जनसंपर्क अभियान भी शुरू करने की तैयारी में है।

संक्षिप्त समाचार

बेटा ना होने पर पत्नी की हत्या, सिर में गोली मारी, पति ने बेटी को दूसरे कमरे में भेजा

हाजीपुर। वैशाली में एक पति ने बेटे की चाहत में दीपावली की रात पत्नी की सिर में गोली मारकर हत्या कर दी है। घटना औद्योगिक थाना इलाके के राजपूत नगर रोड नंबर 2 की है। मृतका की पहचान नीलू सिंह (48) के रूप में हुई है। आरोप है कि पति राकेश चौहान ने लाइसेंसी हथियार से उनके सिर में गोली मारी। गोली सिर के आर-पार निकल गई, जिससे नीलू की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद से आरोपी पति फरार है। मां की हत्या की जानकारी नीलू की 15 साल की बेटी ने पुलिस को दी। नीलू सिंह का अंतिम संस्कार हाजीपुर के कोनहारा घाट पर किया गया। उनकी बेटी ऋतिका राज ने मां को मुखाग्नि दी। नीलू की बेटी ऋतिका राज ने बताया कि, बेटे की चाहत को लेकर पापा मम्मी से अक्सर मारपीट करते थे। पहले भी पापा ने मम्मी के पैर में गोली मारी थी।' दीपावली की रात में करीब 9 बजे से फिर से इसी बात को लेकर पापा-मम्मी में विवाद होने लगा। पापा ने मुझे कहा कि तुम अपने कमरे में जाओ। मैं जैसे ही अपने कमरे में गई गोली चलने की आवाज आई। मैं बाहर निकली तो मम्मी किचन में गिरी पड़ी मिली। पापा के हाथ में पिस्टल था। उन्होंने मुझे घर से चलने के लिए कहा लेकिन मैं नहीं गई तो पापा पिस्टल लेकर भाग गए। घर में 2-2 लाइसेंसी हथियार हैं। औद्योगिक थानाध्यक्ष अरविंद पासवान के अनुसार, देर रात करीब एक बजे नीलू की बेटी ने पुलिस को सूचना दी कि उसके पिता ने मां को गोली मार दी है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। घटनास्थल पर एफएसएल टीम को बुलाकर सबूत जुटाए गए। थानाध्यक्ष के मुताबिक, प्रारंभिक जांच में पता चला है कि विवाद के कारण नीलू अपने मायके चंपापुर अग्रैल पातेपुर गांव चली गई थीं। बाद में पति नीलू को समझाकर अपने पास लाया था। पुलिस आरोपी पति की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी कर रही है। वारदात में इस्तेमाल किए गए लाइसेंसी हथियार की भी जांच की जा रही है। नीलू सिंह महनार थाना क्षेत्र के महिंदवारा गांव की रहने वाली थी। उनके पिता का नाम उमेश प्रसाद सिंह उर्फ डुनमून सिंह हैं। परिजनों का आरोप है कि राकेश चौहान ने 2020 में भी नीलू की गोली मारकर हत्या करने की कोशिश की थी, लेकिन उस समय उनकी जान बच गई थी। इस बार मेरी बेटी की हत्या कर दी गई।

डीएम और एसडीओ ने बच्चों के साथ मनाई दीपावली, हाजीपुर की दलित बस्तियों में बांटी मिठाइयां

हाजीपुर। दीपावली पर वैशाली की जिलाधिकारी वर्षा सिंह और सदर एसडीओ विशाल कुमार ने हाजीपुर की दलित और महादलित बस्तियों में बच्चों के साथ त्योहार मनाया। अधिकारियों ने बच्चों को मिठाइयां बांटीं और उनके साथ पटाखे जलाए। जिलाधिकारी वर्षा सिंह हाजीपुर के हेला बाजार स्थित महादलित टोले पहुंचीं। उन्होंने बच्चों और परिवारों को मिठाइयां दीं और उनके साथ दीप जलाए। जिलाधिकारी वर्षा सिंह ने बच्चों से बातचीत की और उन्हें नियमित स्कूल जाने और मन लगाकर पढ़ाई करने के लिए कहा। जिलाधिकारी वर्षा सिंह ने कहा कि दीपावली की खुशी समाज के हर वर्ग तक पहुंचनी चाहिए। जरूरतमंद परिवारों के साथ खुशियां बांटना ही त्योहार की सार्थकता है। सदर एसडीओ विशाल कुमार ने दौलतपुर चांदी और हरौली गांव की दलित बस्तियों में बच्चों के साथ दीपावली मनाई। उन्होंने बच्चों को लड्डू बांटे और उनके साथ पटाखे जलाए।

वैशाली में जुए के अड्डे चलने की चर्चा, मनियारपुर और मुसहरी टोला में लाखों के दांव लगने का दावा

हाजीपुर। वैशाली के बिदुपुर क्षेत्र में कथित तौर पर जुए के अड्डे संचालित होने की चर्चा है। स्थानीय लोगों के मुताबिक, कैथोलिया पंचायत के मनियारपुर ठाकुरबाड़ी और मुस्तफापुर की दलित बस्ती स्थित मुसहरी टोले में दिन-रात जुआ खेला जा रहा है। हालांकि, इन आरोपों की अब तक स्वतंत्र या आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। स्थानीय चर्चाओं के अनुसार, इन कथित अड्डों पर अलग-अलग शिफ्टों में जुआ खेला जाता है और लाखों रुपए के दांव लगाए जाते हैं। बताया जा रहा है कि इसका नेटवर्क माइल समेत आसपास के दूसरे इलाकों तक फैला हुआ है। स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया है कि इन अड्डों पर जुआ खेलने आने वालों के लिए शराब, खाना और मांसाहार की व्यवस्था भी की जाती है। कुछ कथित आयोजकों की ओर से प्रशासन को अपने प्रभाव में होने की बात कहे जाने की भी चर्चा है। हालांकि, इन दावों की भी पुष्टि नहीं हुई है। स्थानीय लोगों ने मामले की निष्पक्ष जांच कराने और यदि जुए के अड्डे संचालित होने की पुष्टि होती है तो जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की है। उन्होंने सवाल उठाया है कि यदि इलाके में इस तरह की गतिविधियां चल रही हैं, तो पुलिस को इसकी जानकारी क्यों नहीं है और शिकायतों के बावजूद कार्रवाई क्यों नहीं हुई। इस मामले में पुलिस प्रशासन की ओर से अब तक किसी कार्रवाई या जांच को लेकर आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है।



दीपावली पर लोगों ने 2030 तक भारत को बाल विवाह मुक्त बनाने का लिया संकल्प

हाजीपुर। वैशाली के लालगंज प्रखंड के नामीडीह गांव में दीपावली पर बाल विवाह के खिलाफ जागरूकता अभियान चलाया गया। लोगों ने बच्चों के अधिकार, शिक्षा, आजादी और सुरक्षित भविष्य के नाम पर एक दीया जलाया। उन्होंने 2030 तक भारत को बाल विवाह मुक्त बनाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में संदेश दिया गया कि दीपावली पर घरों को रोशन करने के साथ समाज से बाल विवाह खत्म करना भी जरूरी है। इसका आयोजन स्वर्गीय कन्हाई शुक्ला सामाजिक सेवा संस्थान ने जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रन के सहयोग से किया। अधिकार मित्र संतोष कुमार ने कार्यक्रम का संचालन किया। कार्यक्रम के मुख्य आयोजक डॉ. सुधीर कुमार शुक्ला, स्वर्गीय कन्हाई शुक्ला सामाजिक सेवा संस्थान के सचिव और जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रन के निदेशक हैं। उन्होंने कहा कि बाल विवाह से बच्चों का बचपन, शिक्षा, स्वास्थ्य और आजादी छिनती है। यह सामाजिक कुरीति होने के साथ कानूनन अपराध भी है। इसे खत्म करने के लिए समाज के हर व्यक्ति को अपनी जिम्मेदारी समझनी होगी। उन्होंने कहा कि कम उम्र में शादी से बच्चों का भविष्य प्रभावित होता है। खासकर बच्चियों की पढ़ाई रुकती है और उन्हें सामाजिक व स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। उन्होंने अभिभावकों से बच्चों को पढ़ाई के लिए प्रोत्साहित करने और कम उम्र में शादी करने या कराने से बचने की अपील की। डॉ. शुक्ला ने लोगों से अपने परिवार और गांव में बाल विवाह रोकने के लिए सजग रहने को कहा। उन्होंने अपील की कि कहीं भी बाल विवाह की जानकारी मिले तो तुरंत संबंधित प्रशासन को सूचित करें। डॉ. शुक्ला ने कहा कि विकसित भारत का सपना तभी साकार हो सकता है, जब देश का प्रत्येक बच्चा सुरक्षित, शिक्षित और बाल विवाह से मुक्त होगा। वर्ष 2030 तक संपूर्ण भारत को बाल विवाह मुक्त बनाने का राष्ट्रीय संकल्प जनभागीदारी से ही पूरा किया जा सकता है। इसके लिए गांव-गांव में जागरूकता फैलाने और सामाजिक स्तर पर सामूहिक प्रयास करने की जरूरत है।

तेज रफ्तार कार ने ऑटो और ई-रिक्शा में टक्कर मारी, बाढ़ के एकडंगा मोड़ पर 13 लोग घायल

पटना। बाढ़ में तेज रफ्तार कार ने श्रद्धालुओं से भरी ऑटो और ई-रिक्शा में टक्कर मार दी। हादसे में 13 लोग घायल हो गए। जिसमें से 6 महिलाएं शामिल हैं। इलाज के लिए अनुमंडलीय अस्पताल में एडमिट कराया गया। जिनमें से एक बुजुर्ग महिला और बच्चे की हालत गंभीर है। प्राथमिक उपचार के बाद पटना रेफर किया गया है। सभी घायल नालंदा जिले के कैला मोड़ और रामपुर के रहने वाले हैं। घटना अनुमंडल क्षेत्र के एकडंगा मोड़ के पास की है। घायल वाल्मीकि पंडित ने बताया कि बाढ़ के उमानाथ गंगा घाट पर स्नान करने ऑटो से जा रहे थे। एकडंगा मोड़ के पास सामने से आ रही कार ने टक्कर मार दी। ई-रिक्शा भी चपेट में आ गई। सभी लोग छठ महापर्व से पहले गंगा स्नान के लिए जा रहे थे। 2 की हालत गंभीर है, कुछ को हल्की चोटें आई हैं। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है।

स्वच्छता नियम तोड़ने वालों पर सख्त कार्रवाई की तैयारी

पटना में अब मोबाइल कोर्ट में होगी सुनवाई, नगर निगम के सभी 6 अंचलों में होगी व्यवस्था

एजेंसी, पटना

शहर में कचरा फैलाने और स्वच्छता नियमों का उल्लंघन करने वालों पर अब मौके पर ही कार्रवाई की तैयारी है। ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियमावली, 2026 को प्रभावी तरीके से लागू करने के लिए पटना नगर निगम मोबाइल कोर्ट की व्यवस्था करने जा रहा है। निगम के मुताबिक इसका मकसद सार्वजनिक जगहों पर कचरा फेंकने और सड़क किनारे गंदगी करने जैसी गतिविधियों पर तुरंत रोक लगाना है।

पहले चरण में एक मोबाइल कोर्ट: नगर निगम शुरुआत में एक मोबाइल कोर्ट गठित करेगा। इसके संचालन की प्रक्रिया, जुर्माने की राशि, सुनवाई की व्यवस्था और अन्य जरूरी नियमों को अंतिम रूप देने का काम चल रहा है। प्रक्रिया पूरी होने के बाद मोबाइल कोर्ट का संचालन शुरू किया जाएगा। इसके जरिए स्वच्छता नियम तोड़ने के मामलों में मौके पर त्वरित कार्रवाई की जा सकेगी।

छह अंचलों में भी हो सकता है विस्तार:



पहले मोबाइल कोर्ट के कामकाज और सामने आने वाले मामलों की समीक्षा की जाएगी। यदि जरूरत और काम का दबाव अधिक पाया गया तो व्यवस्था का विस्तार किया जा सकता है। ऐसी स्थिति में पटना नगर निगम के सभी छह अंचलों में एक-एक मोबाइल कोर्ट गठित करने की योजना है।

कचरा फैलाने वालों पर होगी कार्रवाई: सार्वजनिक स्थानों पर कचरा फेंकना, सड़क किनारे अपशिष्ट जमा करना, निर्धारित जगह के अलावा कचरे का निस्तारण करना और स्वच्छता संबंधी अन्य नियमों का उल्लंघन करना अब कार्रवाई के दायरे में आएगा। मोबाइल कोर्ट के माध्यम से ऐसे मामलों में तुरंत संज्ञान लेकर निर्धारित कानूनी प्रावधानों के तहत कार्रवाई की जाएगी।

सिर्फ जुर्माना नहीं, आदत बदलना भी मकसद: नगर निगम का कहना है कि इस व्यवस्था का उद्देश्य केवल नियम तोड़ने वालों पर जुर्माना लगाना नहीं है। शहर में लोगों को कचरा सही जगह डालने और गीले-सूखे कचरे को अलग रखने के लिए भी जागरूक करना है। इससे नालियों में कचरा जमा होने, जल निकासी बाधित होने और सार्वजनिक जगहों पर गंदगी की समस्या को कम करने में मदद मिलेगी।

दुकानदारों और संस्थानों से भी अपील: पटना नगर निगम ने नागरिकों, दुकानदारों, व्यावसायिक प्रतिष्ठानों और संस्थानों से ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के नियमों का पालन करने की अपील की है। नगर निगम ने लोगों से गीले और सूखे कचरे को अलग रखने तथा कचरा निर्धारित स्थान पर ही डालने को कहा है।

पिकअप ने सड़क किनारे खड़े युवकों को मारा धक्का



दो घायल, अस्पताल में एडमिट; घर के पास दिवाली की रात खड़े थे सभी

एजेंसी, पटना

पटना में दीपावली की रात एक अनियंत्रित पिकअप वैन ने सड़क किनारे खड़े युवकों और उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में सात युवक बाल-बाल बच गए, जबकि दो को चोट आई है। इनमें से एक को प्राइवेट हॉस्पिटल में एडमिट कराया गया है। घटना जक्कनपुर थाना क्षेत्र के दुपुलवा के पास की है।

गाड़ी छोड़कर भागा ड्राइवर: घायल युवक आयुष कुमार ने बताया कि सभी दोस्त खाने-पीने के बाद घूमने जाने की योजना बना रहे थे। तभी पिकअप वैन ने टक्कर मार दी। भागने के दौरान वह सड़क पर गिर गया, जिससे उसे भी चोट लगी। ड्राइवर नशे की हालत में था। वो गाड़ी छोड़कर मौके से भाग निकला।

गाड़ी के शीशे तोड़े: गुस्साए युवकों ने घटना के बाद पिकअप वैन के शीशे तोड़ दिए। काफी देर तक हाइवोल्टेज ड्रामा चलता रहा। हादसे की सूचना मिलने पर स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची, लेकिन तब तक आरोपी ड्राइवर फरार हो चुका था।

पुलिस ने मामला शांत कराया: पुलिस ने पिकअप वैन को जब्त कर लिया है। आक्रोशित लोगों को समझा-बुझाकर मामले को शांत करा दिया गया है। वाहन मालिक से संपर्क कर पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

चालक ने ही चुराई मालिक की बोलेरो पिकअप, 50 हजार में बेचा

एजेंसी, पटना

पटना के कदमकुआं थाना क्षेत्र में बोलेरो पिकअप चोरी के मामले में पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार लोगों में गाड़ी का चालक अभिषेक कुमार (19), नरेश कुमार प्रसाद और गैरेज संचालक मो. सुलतान शामिल हैं।

पुलिस के अनुसार, 8 नवंबर को वाहन मालिक संदीप कुमार ने थाने में आवेदन देकर अपने चालक अभिषेक पर अज्ञात चोरों से मिलकर गाड़ी चोरी कराने का आरोप लगाया था। SDPO1 राजेश रंजन ने बताया कि मामले में कदमकुआं थाना कांड संख्या 819/26 दर्ज कर पुलिस ने जांच शुरू की। नगर पुलिस अधीक्षक मध्य के निर्देश पर विशेष टीम बनाई गई। टीम ने छापेमारी कर तीनों आरोपियों को गिरफ्तार किया।

पूछताछ में चालक अभिषेक ने



बताया कि चोरी की बोलेरो पिकअप को सुलतान गैरेज के मालिक के हाथ 50 हजार रुपये में बेच दिया गया था।

गाड़ी के पार्ट पुर्जे बरामद: उसकी निशानदेही पर पुलिस ने मसौढ़ी मोड़ और बैरिया के पास स्थित गैरेज से गाड़ी के कटे हुए पुर्जे बरामद किए। इनमें चार चक्के रिम सहित, इंजन और चेसिस के अवशेष शामिल हैं।

इसके अलावा पांच लीटर का गैस सिलेंडर और गाड़ी काटने वाला गैस कटर भी बरामद किया गया। पुलिस मामले में आगे की कार्रवाई कर रही है।

खगौल में अपराध की योजना बना रहे दो युवक गिरफ्तार, बाइक और दो मोबाइल जब्त

एजेंसी, पटना

खगौल थाना क्षेत्र में अपराध की योजना बना रहे दो युवकों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। उनके पास से सेमी ऑटोमेटिक पिस्टल, दो जिंदा कारतूस, मोटरसाइकिल और दो मोबाइल फोन मिले हैं। एएसपी अजीत कुमार ने बताया कि 9 नवंबर की रात करीब 12:50 बजे खगौल थाने के ASI रवीन्द्र कुमार पुलिस टीम के साथ गश्त कर रहे थे। तभी सूचना मिली कि मोती चौक स्थित SBI ATM के पास बाइक सवार दो युवक किसी आपराधिक घटना की योजना बना रहे हैं।

घेराबंदी कर दोनों को पकड़ा: पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घेराबंदी कर दोनों युवकों को पकड़ा। तलाशी में एक सेमी ऑटोमेटिक पिस्टल, KF 7.05 का एक जिंदा कारतूस और 8 एमएम KF का एक जिंदा कारतूस मिला।

गिरफ्तार युवकों की पहचान खगौल थाना क्षेत्र के आनंदपुरी निवासी विनोद कुमार के बेटे अजय कुमार (23) और छोटी बदलपुरा निवासी लक्ष्मण चौधरी के बेटे अंशु कुमार (23) के रूप में हुई है। पुलिस ने घटना में इस्तेमाल मोटरसाइकिल (रजिस्ट्रेशन नंबर BR01DW2922) और दो मोबाइल फोन भी जब्त किए हैं।

एक आरोपी पर पहले से दर्ज है चोरी का केस:



मोती चौक के एसबीआई एटीएम के पास पुलिस के द्वारा पकड़ा गया

इस मामले में खगौल थाना कांड संख्या 571/26, दिनांक 9 नवंबर के तहत आर्म्स एक्ट और भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं में प्राथमिकी दर्ज की गई है।

पुलिस के मुताबिक, अंशु कुमार के खिलाफ खगौल थाने में वर्ष 2023 में चोरी का कांड संख्या 466/23 दर्ज है। दूसरे आरोपी का आपराधिक इतिहास और अन्य थानों से जानकारी जुटाई जा रही है। पुलिस दोनों से पूछताछ कर रही है कि वे किस घटना की योजना बना रहे थे और हथियार कहां से लाए थे।

कचरे से बन रही ऐतिहासिक धरोहरों की आकृतियां, 15 करोड़ से बन रहा 'बिहार गौरव' पार्क, 9 एकड़ में दिखेगी विरासत

एजेंसी, पटना

पटना में गंगा किनारे कबाड़ से बिहार की विरासत को आकार दिया जा रहा है। बांस घाट इलाके में जेपी गंगा पथ और देशरत्न डॉ. राजेंद्र प्रसाद के समाधि स्थल के बीच करीब 9 एकड़ में 'वेस्ट टू वंडर' थीम पर डॉ. राजेंद्र प्रसाद 'बिहार गौरव पार्क' का निर्माण किया जा रहा है। भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन का ये ड्रीम प्रोजेक्ट है। जिसका उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कर सकते हैं। पीएम के हाथों उद्घाटन कराने की तैयारी चल रही है। करीब 15 करोड़ रुपए की लागत से पार्क का निर्माण बुडको की देखरेख में हो रहा है। निर्माण कार्य करीब 85 फीसदी पूरा हो चुका है और छठ के बाद इसका उद्घाटन संभावित है।

कबाड़ से तैयार हो रहीं 38 कलाकृतियां: पार्क की सबसे खास बात यह है कि यहां बेकार समझे जाने वाले सामान को कलाकृतियों का रूप दिया जा रहा है। लोहे के स्क्रैप, पुराने टायर, टूटे पाइप, बोतल, इलेक्ट्रॉनिक वेस्ट और अन्य धातु के कबाड़ से बिहार के ऐतिहासिक स्मारकों, महापुरुषों और वन्यजीवों की प्रतिकृतियां तैयार की जा रही हैं। पार्क में कुल 38 प्रमुख कलाकृतियां



और स्ट्रक्चर विकसित किए जा रहे हैं। इनमें महाबोधि मंदिर, शेरशाह सूरी का मकबरा, नालंदा और विक्रमशिला के अवशेष, अशोक स्तंभ, मुंडेश्वरी मंदिर, केसरिया स्तूप, पावापुरी मंदिर, अजगैबीनाथ धाम समेत बिहार की कई ऐतिहासिक और धार्मिक धरोहरों की प्रतिकृतियां शामिल हैं।

महान विभूतियों की भी दिखेगी झलक: पार्क में सम्राट अशोक, आचार्य चाणक्य, आर्यभट्ट, बाबू कुंवर सिंह, लोकनायक जयप्रकाश नारायण, रामधारी सिंह दिनकर, महाकवि विद्यापति, दशरथ मांझी और खुदीराम बोस जैसी विभूतियों की कलाकृतियां भी तैयार की जा रही हैं। इसके अलावा बिहार के वन्यजीवन को दर्शाने के लिए गंगा डॉल्फिन, बंगाल टाइगर, गौर और नीलकंठ जैसे वन्यजीवों की प्रतिकृतियां बनाई जा रही हैं।

हर मॉन्यूमेंट्स के थीम के हिसाब से होगी लाइटिंग: सभी मॉन्यूमेंट्स (स्मारक) पर उसके थीम के हिसाब से लाइटिंग की जाएगी। इसमें खास तरह की वार्म लाइट का इस्तेमाल किया जाएगा, जिसे दिल्ली से मंगाया गया है। इस लाइटिंग को प्रयागराज के तर्ज पर लगाया जाएगा। वहीं, स्ट्रीट लाइट और हाई मास्ट लाइट भी लगेगी। दूसरी ओर लैंडस्कैपिंग के लिए अलग-अलग प्रजाति के पौधे लगाए जाएंगे जो कि पटना में पहले कभी देखने को नहीं मिले हो। इसके अलावा तीन तरह के पार्क बनाए जाएंगे, जिसमें बच्चों का अलग एरिया, बड़ों का अलग एरिया और यंगस्टर्स के लिए अलग पार्क का एरिया होगा।

नशामुक्ति के तहत ग्रामीणों को नुक्कड़ नाटक से किया जागरूक



एजेंसी, पटना

पटना के बिहटा के सदिसोपुर पंचायत में सोमवार को नशामुक्ति अभियान के तहत मद्य निषेध विभाग ने सदीसोपुर पंचायत के शिव मंदिर के पास नुक्कड़ नाटक कराया। कलाकारों ने नशे के दुष्प्रभाव बताए और लोगों से इससे दूर रहने की अपील की। कलाकारों ने नशे से होने वाले शारीरिक, मानसिक, सामाजिक और आर्थिक नुकसान को नाटक के जरिए दिखाया।

नशे से होने वाले सामाजिक और आर्थिक नुकसान की दी जानकारी: कार्यक्रम में स्वस्थ, स्वच्छ और नशामुक्त समाज बनाने में सहयोग करने की अपील की गई। इसे देखने के लिए स्थानीय लोग जुटे। लोगों से खुद नशे से दूर रहने और परिवार व आसपास के लोगों को जागरूक करने को कहा गया।

कार्यक्रम में मुखिया प्रतिनिधि कवी कुशवाहा, पल्लव वर्मा, हाथी सिंह, शुभम कुमार, मनी कुमार और अविनाश कुमार उर्फ बॉबी मौजूद रहे। कवी कुशवाहा ने कहा कि ऐसे आयोजनों से ग्रामीणों में जागरूकता बढ़ेगी और नशामुक्त समाज बनाने में मदद मिलेगी।

तेजस्वी का 37वें जन्मदिन, तेजप्रताप-राजश्री के साथ केक काटा

एजेंसी, पटना

नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव आज अपना 37वां जन्मदिन मना रहे हैं। उनके जन्मदिन को लेकर पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं में उत्साह है। तेजस्वी ने अपना बर्थडे दीपावली की रात को परिवार के सदस्यों के साथ केक सेलिब्रेट किया। वहीं, पार्टी कार्यालय में सीनियर नेताओं के साथ 37 पाउंड के केक काटा। प्रदेश अध्यक्ष मंगनी लाल मंडल ने उन्हें केक खिलाकर बर्थडे की बधाई दी। हाजीपुर में राजद समर्थकों ने तस्वीर की तस्वीर पर 51लीटर दूध से अभिषेक किया। इसके अलावा महिलाओं ने गीत गाकर तेजस्वी को बधाई दी। दीपावली की रात तेजस्वी ने परिवार के साथ केक काटा।इस दौरन राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव, पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी, बड़े भाई तेज प्रताप यादव और तेजस्वी यादव की पत्नी राजश्री मौजूद रहीं। वहीं, बड़ी बहन मीसा भारती ने तेजस्वी को केक खिलाकर जन्मदिन की बधाई और



आशीर्वाद दिया। परिवार के सदस्यों ने उनके अच्छे स्वास्थ्य, लंबी उम्र और उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस दौरान घर में पारिवारिक माहौल के बीच जन्मदिन का जश्न मनाया गया। केक काटने के साथ ही उन्हें बधाई देने का सिलसिला शुरू हो गया। जन्मदिन के मौके पर पटना स्थित राजद के प्रदेश कार्यालय में भी विशेष आयोजन किया जाएगा। यहां 37 पाउंड का केक काटकर तेजस्वी यादव का जन्मदिन मनाया जाएगा। इस कार्यक्रम में पार्टी के वरिष्ठ नेताओं, पदाधिकारियों, युवा नेताओं और बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं के शामिल होने की तैयारी है।

दीपावली के बाद पटना की हवा हुई जहरीली

एजेंसी, पटना

पटना में वायु प्रदूषण तेजी से बढ़ा है। सोमवार सुबह हवा की गुणवत्ता गंभीर कैटेगरी में पहुंच गई। दीपावली पर लोगों ने जमकर पटाखे जलाए, जिसके बाद 9 नवंबर को शहर का AQI 271 दर्ज किया गया। जबकि एक दिन पहले 8 नवंबर को यह 150 था। यानी 24 घंटे में 121 अंकों की बढ़ोतरी हुई है। कई इलाकों में विजिबिलिटी भी काफी कम रही। AQI का 201 से 300 के बीच होना खराब श्रेणी में आता है। इस स्तर पर लंबे समय तक प्रदूषित हवा में रहने से सांस लेने में परेशानी हो सकती है। बच्चों, बुजुर्गों और अस्थमा के मरीजों को विशेष सावधानी बरतने की जरूरत है।

हल्की ठंड का हो रहा एहसास: बिहार में नवंबर का दूसरा सप्ताह शुरू होने के साथ



मौसम में दो अलग-अलग रंग देखने को मिल रहे हैं। सुबह घर से निकलने पर हल्की ठंड महसूस हो रही है, लेकिन दोपहर की धूप अभी भी लोगों को गर्मी का एहसास करा रही है। आज सोमवार को भी प्रदेश में कुछ ऐसा ही मौसम रहने वाला है। बह के वक्त कई इलाकों में धुंध छाई रह सकती है, जबकि दिन चढ़ने के साथ आसमान साफ होगा। मौसम विज्ञान केंद्र पटना के पूर्वानुमान के मुताबिक, अगले 24 घंटे तक प्रदेश में मौसम शुष्क रहेगा। किसी भी जिले में बारिश या आंधी को लेकर चेतावनी नहीं है। अधिकतम तापमान में अगले 4 से 5 दिनों तक बड़े बदलाव की संभावना भी नहीं जताई गई है।

सुबह की धुंध के बीच दिन में निकलेगी धूप: पश्चिमी हवाओं के प्रभाव से राज्य के अधिकांश हिस्सों में मौसम सामान्य बना रहेगा। सुबह के समय वातावरण में नमी के कारण हल्की धुंध देखने को मिल सकती है। हालांकि, सूर्योदय के बाद इसका प्रभाव कम होने लगेगा। दोपहर में धूप निकलने से अधिकतम तापमान 30 से 32 डिग्री के आसपास रहने का अनुमान है। शाम के बाद पारा नीचे आने से मौसम अपेक्षाकृत आरामदायक हो जाएगा।

पटना में 32 डिग्री तक पहुंचेगा तापमान: राजधानी पटना में भी सुबह धुंध रहने का अनुमान है। इसके बाद आसमान मुख्य रूप से साफ रहेगा। मौसम विज्ञान केंद्र के शहरवार पूर्वानुमान के अनुसार अधिकतम तापमान 32 और न्यूनतम 22 डिग्री सेल्सियस रह सकता है। मंगलवार को भी अधिकतम पारा 31 डिग्री के आसपास रहने की संभावना है।

संक्षिप्त समाचार

पिपरा में जितेन्द्र साड़ी एवं ड्रेसेज का शुभारंभ, एक ही छत के नीचे मिलेंगे कई तरह के परिधान



बीएनएम @ मोतिहारी। पिपरा स्थित डाकघर के समीप शनिवार को जितेन्द्र साड़ी एवं ड्रेसेज का शुभारंभ किया गया। दुकान खुलने से पिपरा सहित आसपास के क्षेत्र के लोगों को कपड़ों की खरीदारी के लिए एक नया विकल्प मिला है। दुकान के प्रोपराइटर हरेन्द्र कुमार ने बताया कि ग्राहकों की पसंद और जरूरतों को ध्यान में रखते हुए यहां महिलाओं और पुरुषों के लिए विभिन्न प्रकार के परिधानों की आकर्षक रेंज उपलब्ध कराई गई है। दुकान में साड़ी, लहंगा, सूट, जेंट्स रेडीमेड कपड़े, जींस, शर्ट सहित कई तरह के कपड़े उपलब्ध हैं। उन्होंने कहा कि ग्राहकों को उचित मूल्य पर बेहतर गुणवत्ता के कपड़े उपलब्ध कराना उनकी प्राथमिकता है। दुकान में हर वर्ग के ग्राहकों की पसंद का ध्यान रखा गया है। उन्होंने क्षेत्रवासियों से दुकान पर आकर खरीदारी करने और सेवा का अवसर देने की अपील की। स्थानीय स्तर पर इस प्रतिष्ठान के शुरू होने से लोगों को कपड़ों की खरीदारी के लिए दूर नहीं जाना पड़ेगा।

दीपावली पर बलथर में भव्य सौवा मेले का आयोजन



बीएनएम @ सिकटा। प्रखंड के धनकुटा पंचायत अंतर्गत बलथर थाना क्षेत्र में दीपावली के शुभ अवसर पर भव्य सौवा मेले का आयोजन किया गया। मेले में आसपास के गांवों से बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। लोगों की भारी भीड़ और उत्साह ने पूरे क्षेत्र को उत्सवमय बना दिया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि जिला परिषद सदस्य पद के प्रत्याशी सुरेश साह शामिल हुए। वहीं झुना यादव, मुलाम यादव, सुजीत यादव, रमेश यादव, दीपक यादव एवं विजय यादव की भी गरिमामयी उपस्थिति रही। मेले में इंदर एवं गौरी पहलवान ने रेफरी की भूमिका निभाई और अपनी जिम्मेदारियों का बखूबी निर्वहन किया। इस आयोजन ने क्षेत्र की पारंपरिक संस्कृति और लोक उत्सव की परंपरा को जीवंत कर दिया। मेले के माध्यम से आपसी सौहार्द, भाईचारे और सामाजिक एकता का सुंदर संदेश देखने को मिला। दीपावली के अवसर पर आयोजित इस मेले को लेकर स्थानीय लोगों में खासा उत्साह देखा गया।

15 लीटर देसी चुलाई शराब के साथ कारोबारी गिरफ्तार, न्यायिक हिरासत में भेजा गया

बीएनएम @ पहाड़पुर। थाना क्षेत्र में नशे के विरुद्ध चलाए जा रहे समकालीन अभियान के तहत पहाड़पुर पुलिस ने छापेमारी कर 15 लीटर देसी चुलाई शराब के साथ एक कारोबारी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार कारोबारी की पहचान बिशुनपुर मटियरवा गांव निवासी विनोद मांझी, पिता भुट्टी मांझी के रूप में हुई है। थानाध्यक्ष देवेंद्र कुमार ने बताया कि रविवार को गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने बिशुनपुर मटियरवा गांव में छापेमारी की। इस दौरान 15 लीटर देसी चुलाई शराब बरामद की गई। मौके से शराब कारोबार के आरोप में विनोद मांझी को गिरफ्तार कर लिया गया। आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद गिरफ्तार अभियुक्त को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। थानाध्यक्ष ने बताया कि थाना क्षेत्र में शराब के अवैध कारोबार और नशे के खिलाफ लगातार छापेमारी की जा रही है। इस धंधे में संलिप्त लोगों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। छापेमारी दल में थानाध्यक्ष के साथ सशस्त्र पुलिस बल के जवान शामिल थे।

पुलिस ने महादलित बस्ती में बच्चों के साथ मनाई दीपावली

बीएनएम @ छौड़ादानो। समाज में सद्भाव, भाईचारे और आपसी प्रेम का संदेश देते हुए स्थानीय पुलिस ने इस बार दीपावली की खुशियां महादलित बस्ती के बच्चों के साथ साझा कीं। थानाध्यक्ष राजीव कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम ने दुहो-सुहो गांव स्थित महादलित बस्ती पहुंचकर बच्चों के बीच दीपावली मनाई। इस दौरान पुलिसकर्मियों ने बस्ती के बच्चों के बीच मिठाइयां, कॉपी, कलम और फुलझड़ियां वितरित कीं। उपहार पाकर बच्चों के चेहरे खुशी से खिल उठे। बच्चों के बीच दीपावली का उत्साह और उमंग देखते ही बन रही थी। पुलिसकर्मियों ने बच्चों के साथ समय बिताकर उनके त्योहार की खुशियों को दोगुना कर दिया। पुलिस की इस पहल से महादलित बस्ती के लोगों में भी खासा उत्साह देखने को मिला। इस अवसर पर पुलिसकर्मियों ने समाज के वंचित और जरूरतमंद वर्गों के बीच खुशियां बांटने के साथ ही पुलिस और आम जनता के बीच बेहतर संबंध स्थापित करने का संदेश दिया। वहीं, स्थानीय लोगों ने पुलिस की इस मानवीय पहल की सराहना की। उनका कहना था कि इस तरह के प्रयासों से पुलिस का मानवीय चेहरा सामने आता है और आम लोगों के मन में पुलिस के प्रति विश्वास एवं अपनापन बढ़ता है।

महादलित बस्तियों में पहुंची हरसिद्धि पुलिस बच्चों के बीच बांटी मिठाई और पाठ्य सामग्री

ग्रीन क्रैकर्स और उपहार पाकर खिले बच्चों के चेहरे, पुलिस ने त्योहार की खुशियां बांटने के साथ शिक्षा के प्रति किया जागरूक

बीएनएम @ मोतिहारी/हरसिद्धि



दीपावली के अवसर पर हरसिद्धि पुलिस ने सामाजिक सरोकार की पहल करते हुए थाना क्षेत्र के विभिन्न महादलित टोलों में पहुंचकर जरूरतमंद परिवारों के बीच खुशियां बांटीं। इस दौरान पुलिस पदाधिकारियों ने बच्चों को मिठाइयां, ग्रीन क्रैकर्स और पाठ्य सामग्री वितरित की। पुलिस की इस पहल से बस्ती के बच्चों में उत्साह का माहौल रहा। उपहार और मिठाई पाकर बच्चों के चेहरे खिल उठे। थानाध्यक्ष सुनील कुमार ने कहा कि दीपावली आपसी प्रेम, भाईचारे और खुशियां बांटने का पर्व है। समाज के शोषित और वंचित परिवार भी इस त्योहार को उत्साह के साथ मना सकें, इसी उद्देश्य से पुलिसकर्मियों ने उनके बीच पहुंचकर खुशियां साझा कीं। उन्होंने कहा कि बच्चों को पाठ्य सामग्री देने का उद्देश्य उन्हें शिक्षा के प्रति प्रोत्साहित करना और बेहतर भविष्य के लिए प्रेरित करना है। पुलिस की इस पहल से महादलित बस्तियों के परिवारों में खुशी देखी गई। स्थानीय लोगों ने भी इस प्रयास की सराहना की। मौके पर अपर थानाध्यक्ष अविनाश कुमार, एसआई रामबाबू यादव, सेराज अहमद सहित अन्य पुलिसकर्मी मौजूद थे।

छठ घाटों की सुरक्षा को लेकर प्रशासन अलर्ट, एसडीओ-एसडीपीओ ने किया निरीक्षण



बीएनएम @ मोतिहारी/हरसिद्धि

छठ महापर्व को शांतिपूर्ण एवं सुरक्षित माहौल में संपन्न कराने को लेकर प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी कड़ी में अनुमंडल पदाधिकारी सुजीत कुमार, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी पंकज कुमार मिश्रा एवं प्रखंड विकास पदाधिकारी अजय कुमार राय ने हरसिद्धि थाना क्षेत्र के खतरनाक एवं भीड़भाड़ वाले छठ घाटों का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने हरसिद्धि-पकड़िया, गायघाट, उज्जैन लोहियार, भादा, जागापाकड़ समेत विभिन्न पंचायतों के दर्जनों घाटों का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान घाटों की साफ-सफाई, रोशनी एवं बिजली की व्यवस्था, पुलिस बल की तैनाती, पदाधिकारियों एवं दंडाधिकारियों की प्रतिनियुक्ति तथा गोताखोरों की उपलब्धता पर चर्चा की गई। इस दौरान स्थानीय मुखिया एवं जनप्रतिनिधियों से भी आवश्यक जानकारी ली गई। अधिकारियों ने सभी व्यवस्थाएं समय से दुरुस्त करने का निर्देश दिया। थानाध्यक्ष सुनील कुमार ने बताया कि छठ महापर्व के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा पुलिस की प्राथमिकता रहेगी। संवेदनशील एवं खतरनाक घाटों पर विशेष निगरानी रखी जाएगी। भीड़ नियंत्रण के साथ पुलिस बल की तैनाती की जाएगी, ताकि व्रतियों और श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी नहीं हो। उन्होंने लोगों से प्रशासनिक निर्देशों का पालन करने और सुरक्षित घाटों पर ही छठ करने की अपील की।

शॉर्ट सर्किट से लगी आग में दो भाइयों का आशियाना राख, लाखों की संपत्ति जलकर नष्ट

बीएनएम @ मोतिहारी/सुगौली



प्रखंड के सुकुल पाकड़ पंचायत अंतर्गत कचहरियां टोला के वार्ड संख्या-12 में बिजली के शॉर्ट सर्किट से लगी आग में दो सगे भाइयों का घर पूरी तरह जलकर राख हो गया। अगलगी की इस घटना में सुरेंद्र पंडित और उमेश पंडित के परिवार की लाखों रुपये की संपत्ति नष्ट हो गई। घटना के बाद दोनों परिवारों के सामने रहने और रोजमर्रा की जरूरतों को पूरा करने का संकट खड़ा हो गया है। मिली जानकारी के अनुसार, घटना के समय परिवार के सदस्य घर के किचन में मौजूद थे। इसी दौरान बिजली के तार में शॉर्ट सर्किट होने से निकली चिंगारी ने आग पकड़ ली। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और पूरे मकान को अपनी चपेट में ले लिया। परिजनों और स्थानीय लोगों ने आग बुझाने का काफी प्रयास किया, लेकिन तेज लपटों के सामने उनकी कोशिश नाकाम रही। आग की चपेट में आने से घर में रखे नकद रुपये, फ्रिज, अलमारी, सूटकेस, गैस चूल्हा, अनाज, कपड़े और अन्य घरेलू सामान जलकर राख हो गए। एक ही मकान में दोनों भाइयों के परिवार का सामान रखा हुआ था। इससे दोनों परिवारों को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा। घटना की सूचना पर अग्निशमन विभाग की टीम मौके पर पहुंची, लेकिन तब तक घर का सारा सामान जल चुका था। अगलगी के बाद पीड़ित परिवारों के सामने आवास और आजीविका से जुड़ी गंभीर समस्या उत्पन्न हो गई है। पीड़ितों ने प्रशासन से क्षति का आकलन कराकर उचित मुआवजा और आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने की मांग की है।

भारत-नेपाल सीमा पर सुरक्षा कड़ी, एसएसबी और पुलिस ने किया संयुक्त फ्लैग मार्च

बीएनएम @ छौड़ादानो



भारत-नेपाल सीमा क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने और आपराधिक गतिविधियों पर प्रभावी अंकुश लगाने के उद्देश्य से सोमवार को सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) और छौड़ादानो थाना पुलिस ने संयुक्त रूप से फ्लैग मार्च निकाला। फ्लैग मार्च का नेतृत्व थानाध्यक्ष राजीव कुमार ने किया। इस दौरान पुलिस एवं एसएसबी के जवानों ने सीमा से सटे संवेदनशील इलाकों में गश्त कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। फ्लैग मार्च थाना परिसर से शुरू होकर सीमा से सटे गांवों, बाजारों और प्रमुख मार्गों से गुजरते हुए विभिन्न संवेदनशील स्थानों तक पहुंचा। इस दौरान जवानों ने आम लोगों से क्षेत्र में शांति, सौहार्द और आपसी भाईचारा बनाए रखने की अपील की। साथ ही किसी भी संदिग्ध व्यक्ति, वस्तु या गतिविधि की जानकारी तत्काल पुलिस को देने का आग्रह किया। फ्लैग मार्च के साथ ही भारत-नेपाल सीमा पर विशेष जांच अभियान भी चलाया गया। जवानों ने सीमा के रास्ते आने-जाने वाले वाहनों की सघन तलाशी ली और यात्रियों के पहचान पत्रों की जांच की। अधिकारियों ने बताया कि सीमा क्षेत्र में शराब एवं मादक पदार्थों की तस्करी, अवैध आवागमन तथा अन्य आपराधिक गतिविधियों पर रोक लगाने के लिए यह संयुक्त अभियान चलाया गया है। इस फ्लैग मार्च के माध्यम से सुरक्षा एजेंसियों ने असामाजिक तत्वों को स्पष्ट संदेश दिया कि सीमा क्षेत्र में कानून-व्यवस्था बिगाड़ने और अवैध गतिविधियों में संलिप्त लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। अधिकारियों ने कहा कि सीमा की सुरक्षा में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने बताया कि क्षेत्र में शांति, सुरक्षा और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस एवं एसएसबी की ओर से आगे भी नियमित रूप से संयुक्त गश्त और जांच अभियान जारी रहेगा।

कायाकल्प अभियान में तेजी लाने का जिला पदाधिकारी ने दिया निर्देश

बीएनएम @ मोतिहारी



जिलाधिकारी सौरभ सुमन यादव ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जिले में संचालित कायाकल्प अभियान की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने सभी संबंधित पदाधिकारियों को अभियान के तहत चल रहे कार्यों में तेजी लाने तथा निर्धारित समय-सीमा के भीतर सभी कार्यों को गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूरा करने का सख्त निर्देश दिया। उक्त समीक्षा बैठक में जिलाधिकारी के कार्यालय कक्ष में उप विकास आयुक्त डॉ. प्रदीप कुमार सहित शिक्षा विभाग के संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे। वहीं, सभी अनुमंडल पदाधिकारी, प्रखंड विकास पदाधिकारी एवं अंचल अधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक से जुड़े थे। वहीं, समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने शिक्षा विभाग के पदाधिकारियों को कायाकल्प अभियान के कार्यों में और तेजी लाने का निर्देश दिया। उन्होंने पाया कि आदापुर, अरेराज एवं बंजरिया में तकनीकी स्तर पर कुछ प्रस्ताव लंबित हैं, जबकि चकिया में कुछ प्रस्ताव प्रशासनिक स्वीकृति के लिए लंबित हैं। जिलाधिकारी ने इन सभी लंबित प्रस्तावों का शीघ्र निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने अनुमंडल पदाधिकारी चकिया एवं रक्सौल सहित जिले के सभी अनुमंडल पदाधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्र में संचालित कायाकल्प अभियान की सप्ताह में दो दिन स्वयं समीक्षा करने का निर्देश दिया, ताकि कार्यों की नियमित निगरानी हो सके और किसी भी स्तर पर अनावश्यक विलंब न हो। जिलाधिकारी ने मॉडल स्कूलों के अतिरिक्त जिले के प्रत्येक प्रखंड में प्रखंड विकास पदाधिकारी की देखरेख में एक-एक विद्यालय को आदर्श विद्यालय के रूप में विकसित करने का निर्देश दिया। जिले के सभी कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों के कायाकल्प की जिम्मेदारी पूर्व की बैठकों में संबंधित प्रखंड विकास पदाधिकारियों को सौंपी गई थी। समीक्षा के दौरान बताया गया कि तुरकौलिया, संग्रामपुर एवं कल्याणपुर में कार्य प्रारंभ हो चुका है। इस पर जिलाधिकारी ने सभी कस्तूरबा विद्यालयों के भवनों का रंग-रोगन कराने के साथ-साथ वहां संचालित किचन एवं बाथरूम को भी सुव्यवस्थित एवं दुरुस्त कराने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि जहां अतिरिक्त कमरों के निर्माण की आवश्यकता है, वहां उसका भी प्रस्ताव तैयार कर कार्य कराया जाए। इन कार्यों को पूरा करने के लिए 30 नवंबर तक की समय-सीमा निर्धारित की गई। साथ ही सभी अनुमंडल पदाधिकारियों को इसकी नियमित समीक्षा करने का निर्देश दिया गया। बैठक में भवनहीन विद्यालयों एवं आंगनबाड़ी केंद्रों के लिए भूमि चिह्नित करने के कार्य की भी समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने इस कार्य में हुई प्रगति पर संतोष व्यक्त करते हुए सभी अंचल अधिकारियों को चिह्नित भूमि से संबंधित प्रस्ताव शीघ्र उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि जिन स्थानों पर अभी तक भूमि चिह्नित नहीं की गई है, वहां अविलंब भूमि चिह्नित करने की कार्रवाई पूरी की जाए। साथ ही, सभी अंचल अधिकारियों को निर्देश दिया गया कि चिह्नित भूमि से संबंधित पूरा विवरण उपलब्ध कराए गए गूगल शीट में अनिवार्य रूप से अपलोड करें, ताकि कार्यों की अद्यतन स्थिति की जानकारी प्राप्त हो सके और उनकी प्रभावी मॉनिटरिंग की जा सके। बैठक के दौरान आगामी महापर्व छठ के मद्देनजर घाटों की तैयारियों की भी समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने सभी प्रखंड विकास पदाधिकारियों एवं अंचल अधिकारियों को अपने-अपने प्रखंड एवं अनुमंडल क्षेत्र के सभी प्रमुख छठ घाटों को चिह्नित कर आवश्यक तैयारियां समय पर पूरी करने का निर्देश दिया। उन्होंने घाटों की समुचित साफ-सफाई सुनिश्चित कराने तथा आवश्यकता के अनुसार छठ व्रतियों की सुरक्षा के लिए बैरिकेडिंग की व्यवस्था करने को कहा। उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि इन कार्यों में स्थानीय जनसहयोग भी लिया जा सकता है, ताकि छठ महापर्व के अवसर पर श्रद्धालुओं को सुरक्षित एवं सुगम व्यवस्था उपलब्ध कराई जा सके। जिलाधिकारी ने सभी संबंधित पदाधिकारियों को निर्देशित किया कि निर्धारित समय-सीमा का विशेष ध्यान रखते हुए सभी कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर पूरा करें। उन्होंने स्पष्ट किया कि कायाकल्प अभियान के कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही या अनावश्यक विलंब स्वीकार्य नहीं होगा।

ई-रिक्शा से 2.050 किलो अफीम जैसा मादक पदार्थ बरामद, नेपाली नागरिक समेत तीन तस्कर गिरफ्तार

बीएनएम @ छौड़ादानो



भारत-नेपाल सीमा क्षेत्र में मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ पुलिस और एसएसबी की संयुक्त टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए तीन तस्करों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से 2.050 किलोग्राम अफीम जैसा मादक पदार्थ बरामद किया गया है। गिरफ्तार आरोपितों में एक नेपाली नागरिक भी शामिल है। तस्करी में इस्तेमाल किए जा रहे ई-रिक्शा को भी पुलिस ने जब्त कर लिया है। जानकारी के अनुसार, पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि ई-रिक्शा के माध्यम से मादक पदार्थ की तस्करी की जा रही है। सूचना के सत्यापन के बाद थाना पुलिस और एसएसबी की संयुक्त टीम ने धरहरी स्थित राजकीय उत्क्रमित उच्च विद्यालय के समीप घेराबंदी कर एक ई-रिक्शा को रोका। तलाशी के दौरान ई-रिक्शा में सवार तीनों व्यक्तियों के पास से 2.050 किलोग्राम अफीम जैसा मादक पदार्थ बरामद हुआ। इसके बाद टीम ने मौके से तीनों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान ई-रिक्शा चालक विपिन कुमार (35), पिता विनोद चौधरी, ग्राम जीतपुर तथा फिरोज अहमद (47), पिता ताज अहमद, ग्राम मसही, थाना छौड़ादानो के रूप में हुई है। वहीं, तीसरे आरोपित की पहचान नेपाली नागरिक दिलीप कुमार सहनी (26), पिता नंदू सहनी, ग्राम चिकनी पकड़िया, थाना सिमरौनगढ़, जिला बारा (नेपाल) के रूप में की गई है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, पूछताछ के दौरान आरोपितों ने मादक पदार्थ की तस्करी में अपनी संलिप्तता स्वीकार की है। पुलिस ने बरामद खेप के रिसीवर का भी पता लगा लिया है। अब तस्करी के इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की भूमिका की जांच की जा रही है। इस संबंध में थानाध्यक्ष राजीव कुमार ने बताया कि गिरफ्तार तीनों आरोपितों के विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है। आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद सभी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। पुलिस पूरे तस्करी नेटवर्क की पड़ताल में जुटी है।

ई-रिक्शा से 52 हजार नशीली कैप्सूल बरामद, दो तस्कर गिरफ्तार

महुआवा पुलिस और एसएसबी की संयुक्त कार्रवाई, कोरैया सैनिक रोड पर पकड़ी गई नशीली दवाओं की खेप

बीएनएम @ छौड़ादानो



भारत-नेपाल सीमा क्षेत्र में मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में महुआवा पुलिस और एसएसबी की संयुक्त टीम को बड़ी सफलता मिली है। संयुक्त कार्रवाई के दौरान कोरैया सैनिक रोड पर एक ई-रिक्शा की तलाशी लेने पर 52 हजार नशीली कैप्सूल बरामद की गईं। बरामद कैप्सूल का कुल वजन 2.640 किलोग्राम बताया गया है। मौके से पुलिस ने दो आरोपितों को गिरफ्तार करने के साथ ही तस्करी में प्रयुक्त ई-रिक्शा को भी जब्त कर लिया। जानकारी के अनुसार, पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि नेपाल की ओर से एक ई-रिक्शा के जरिए नशीली कैप्सूल की बड़ी खेप भारतीय क्षेत्र में लाई जा रही है। सूचना मिलते ही महुआवा थाना पुलिस और एसएसबी की टीम ने संयुक्त रूप से कोरैया सैनिक रोड पर जांच अभियान शुरू किया। इसी दौरान संदेह के आधार पर एक ई-रिक्शा को रोककर तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान उसमें छिपाकर रखी गई 52 हजार नशीली कैप्सूल बरामद हुईं। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान आदापुर थाना क्षेत्र के बखरी गांव निवासी नूर मोहम्मद मंसूरी और नेपाल के बारा जिला अंतर्गत पिपडारी गांव निवासी गांधी कुमार के रूप में हुई है। पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार कर पूछताछ की है। प्रारंभिक जांच में आशंका जताई जा रही है कि नशीली कैप्सूल की खेप नेपाल के रास्ते भारतीय क्षेत्र में लाकर विभिन्न स्थानों पर सप्लाई की जानी थी। हालांकि, इस तस्करी नेटवर्क में शामिल अन्य लोगों और खेप के वास्तविक गंतव्य का पता लगाने के लिए पुलिस जांच में जुटी है। इस संबंध में महुआवा थानाध्यक्ष मनोज कुमार ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस और एसएसबी की संयुक्त टीम ने कार्रवाई करते हुए 52 हजार नशीली कैप्सूल बरामद की हैं। मामले में दो आरोपितों को गिरफ्तार किया गया है। दोनों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। साथ ही तस्करी के इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है। सीमा क्षेत्र में नशीली दवाओं की इतनी बड़ी खेप पकड़े जाने से तस्करी के नेटवर्क में शामिल अन्य लोगों की भूमिका भी जांच के दायरे में आ गई है। पुलिस और सुरक्षा एजेंसियां इस मामले को लेकर सतर्कता बरत रही हैं।

संक्षिप्त समाचार

दो बाइकों की टक्कर में एक युवक की मौत, दूसरा गंभीर घायल

बीएनएम @ सुगौली। थाना क्षेत्र के करमवा रघुनाथपुर पंचायत अंतर्गत रघुनाथपुर बाजार के समीप पेट्रोल पंप के पास दो बाइकों के बीच हुई जोरदार टक्कर में एक युवक की घटनास्थल पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरा बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गया। मृतक की पहचान थाना क्षेत्र के पंचभिड़वा निवासी लड्डू कुमार के रूप में हुई है। वहीं, हादसे में घायल दूसरे बाइक सवार की पहचान अब तक नहीं हो सकी है। घटना के बाद मौके पर जुटे ग्रामीणों ने आनन-फानन में उक्त युवक को स्थानीय स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। वहीं, गंभीर रूप से घायल दूसरे बाइक सवार को उसके परिजन बेहतर इलाज के लिए निजी अस्पताल ले गए। हालांकि, घायल युवक के नाम और पते की जानकारी नहीं मिल सकी है। इधर, घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक कार्रवाई करते हुए मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल मोतिहारी भेज दिया। इस संबंध में थानाध्यक्ष अनीश कुमार सिंह ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

15 वारंट और दो कुर्की का निष्पादन, 3.83 लाख जुर्माना वसूला

बीएनएम @ बगहा। बगहा पुलिस जिले में अपराध नियंत्रण को लेकर चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत विभिन्न थाना क्षेत्रों में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 15 वारंट और दो कुर्की का निष्पादन किया। पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार ने सोमवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी कर इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि रामनगर थाना पुलिस ने वारंट के छह आरोपितों को गिरफ्तार किया। वहीं, चौतरवा थाना पुलिस ने विभिन्न कांडों में सात आरोपितों को गिरफ्तार किया, जिन्हें न्यायालय से रिकॉल मिलने पर मुक्त कर दिया गया। धनहा थाना पुलिस ने वारंटी गणेश वर्मा उर्फ गणेश साह को गिरफ्तार कर रिकॉल पर मुक्त किया। जबकि चिउटाहां थाना पुलिस ने बिहार मद्यनिषेध एवं उत्पाद अधिनियम के तहत मोहर महतो को गिरफ्तार कर न्यायालय भेज दिया। एसपी ने बताया कि अभियान के दौरान कुल 561 वाहनों की जांच की गई। यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों से 3 लाख 83 हजार रुपये जुर्माना वसूला गया। उन्होंने कहा कि अपराध नियंत्रण, वारंटियों की गिरफ्तारी और विधि-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस का अभियान लगातार जारी रहेगा।

29 लीटर अवैध शराब के साथ तीन कारोबारी गिरफ्तार

बीएनएम @ बेतिया (पश्चिम चंपारण)। गौनाहा पुलिस ने अलग-अलग स्थानों पर छापेमारी कर 29 लीटर अवैध देसी शराब के साथ तीन कारोबारियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने सोमवार को तीनों आरोपितों को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। थानाध्यक्ष शंभू शरण गुप्ता ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर रविवार की रात सेमरी-डुमरी हाई स्कूल के पास छापेमारी की गई। इस दौरान 20 लीटर अवैध देसी शराब के साथ दो कारोबारियों को गिरफ्तार किया गया। उनकी पहचान मटियरिया थाना क्षेत्र के महनौल कला गांव निवासी रविन्द्र यादव और सुमन कुमार के रूप में हुई है। वहीं, मुरली भरहवा गांव के समीप छापेमारी कर नौ लीटर अवैध शराब के साथ एक अन्य कारोबारी को गिरफ्तार किया गया। उसकी पहचान शिकारपुर थाना क्षेत्र के मनवा परसी गांव निवासी नीतीश कुमार के रूप में हुई है। थानाध्यक्ष ने बताया कि तीनों आरोपितों के विरुद्ध आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

प्राचार्य के निधन से शिक्षा जगत में शोक की लहर

बीएनएम @ बगहा। पंडित उमाशंकर त्रिपाठी महिला महाविद्यालय, बनकटवा के प्राचार्य डॉ. अरविंद कुमार तिवारी के निधन पर शिक्षाविदों, जनप्रतिनिधियों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने गहरा शोक व्यक्त किया। वाल्मीकिनगर विधायक सुरेंद्र प्रसाद कुशवाहा, बगहा विधायक राम सिंह, डॉ. शकील मोईन, मनोज सिंह, ऋतु जायसवाल, दीपक राही, राकेश सिंह सहित कई लोगों ने उनके निधन को शिक्षा एवं सामाजिक क्षेत्र की अपूरणीय क्षति बताया। शोक व्यक्त करने वालों ने कहा कि डॉ. तिवारी ईमानदार, कर्तव्यनिष्ठ और विद्वान व्यक्तित्व के धनी थे। महिला शिक्षा के प्रति उनकी प्रतिबद्धता और शैक्षणिक योगदान को सदैव याद किया जाएगा। कई लोगों ने उनके आवास पर पहुंचकर शोकाकुल परिजनों से मुलाकात की और सांत्वना दी। लोगों ने दिवंगत आत्मा की शांति एवं परिजनों को दुख सहने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की।

पटाखे फोड़ने को लेकर दो पक्षों में मारपीट, सात गिरफ्तार

बीएनएम @ बेतिया (पश्चिम चंपारण)। गौनाहा थाना क्षेत्र के कालापाकड़ी गांव में दीपावली की रात पटाखे फोड़ने को लेकर दो पक्षों के बीच जमकर मारपीट हुई। घटना में दोनों पक्षों के सात लोग घायल हो गए। सभी घायलों को स्थानीय लोगों की मदद से इलाज के लिए रेफरल अस्पताल, गौनाहा पहुंचाया गया। बताया जाता है कि एक पक्ष के लोग दूसरे पक्ष के घर के समीप पटाखे फोड़ रहे थे। इसका विरोध करने पर दोनों पक्षों के बीच कहासुनी शुरू हो गई। देखते ही देखते विवाद बढ़ गया और दोनों ओर से मारपीट होने लगी। घटना के बाद गांव में अफरा-तफरी मच गई। मामले को लेकर दोनों पक्षों ने एक-दूसरे के खिलाफ थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई। थानाध्यक्ष शंभू शरण गुप्ता ने बताया कि दोनों पक्षों से मिले आवेदनों के आधार पर प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए एक पक्ष के पांच और दूसरे पक्ष के दो आरोपितों सहित कुल सात लोगों को गिरफ्तार किया। सभी गिरफ्तार आरोपितों को सोमवार को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

ट्रेन की चपेट में आने से अज्ञात महिला की मौत

बीएनएम @ बेतिया (पश्चिम चंपारण)। बेतिया-चनपटिया रेलखंड पर छावनी ओवरब्रिज के समीप रविवार को ट्रेन की चपेट में आने से एक अज्ञात महिला की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, चनपटिया की ओर से बेतिया आ रही ट्रेन जब छावनी ओवरब्रिज के समीप पहुंची, तभी महिला उसकी चपेट में आ गई। हादसे में महिला की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। सूचना मिलते ही रेल पुलिस मौके पर पहुंची। घटनास्थल पर स्थानीय लोगों की भीड़ जुट गई। रेल पुलिस ने आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी कर शव को कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम के लिए जीएमसीएच, बेतिया भेज दिया। फिलहाल मृतका की पहचान नहीं हो सकी है। रेल पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ कर महिला की पहचान और हादसे के कारणों का पता लगाने में जुटी है।

प्रसव पीड़ा से कराहती महिला को सीएचसी में नहीं मिला इलाज: बिना रेफरल पर्ची लौटाने का आरोप

बीएनएम @ विक्की विजेंद्र

निजी क्लिनिक में कराना पड़ा प्रसव, पहचान पत्र और मोबाइल नंबर नहीं होने का हवाला देकर एएनएम ने दी सफाई

घोड़ासहन। सरकारी अस्पतालों में बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं और सुरक्षित प्रसव की व्यवस्था उपलब्ध कराने के दावों के बीच घोड़ासहन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) की कार्यप्रणाली एक बार फिर सवालों के घेरे में है। शनिवार की शाम करीब सात बजे चैनपुर थाना क्षेत्र के अररिया गांव निवासी राजा कुमार अपनी गर्भवती पत्नी राधिका देवी को प्रसव पीड़ा होने पर इलाज के लिए घोड़ासहन सीएचसी लेकर पहुंचे। परिजनों का आरोप है कि प्रसव पीड़ा से कराह रही महिला को अस्पताल में न तो विधिवत भर्ती किया गया और न ही तत्काल उपचार उपलब्ध कराया गया। इसके बजाय उसे मोतिहारी ले जाने की सलाह देकर बिना लिखित रेफरल पर्ची के ही वापस कर दिया गया। अंततः परिजनों को महिला का प्रसव स्थानीय एक निजी क्लिनिक में कराना पड़ा। परिजनों के अनुसार, राधिका देवी को तेज प्रसव पीड़ा हो रही थी और उनकी स्थिति लगातार बिगड़ रही थी। ऐसे में वे तत्काल चिकित्सा सहायता की उम्मीद लेकर सीएचसी पहुंचे थे। आरोप है कि वहां मौजूद स्वास्थ्यकर्मियों ने महिला की स्थिति देखने के बाद उसे बेहतर इलाज के लिए मोतिहारी ले जाने की सलाह तो दी, लेकिन न तो उसका विधिवत पंजीकरण किया गया और न ही लिखित रेफरल पर्ची उपलब्ध कराई गई। परिजनों का कहना है कि महिला की गंभीर स्थिति को देखते हुए उसे लेकर मोतिहारी तक जाना जोखिम भरा लग रहा था। ऐसे में उन्होंने स्थानीय स्तर पर ही इलाज कराने का निर्णय लिया और महिला को घोड़ासहन स्थित एक निजी क्लिनिक में भर्ती कराया, जहां उसका उपचार किया गया और प्रसव कराया गया। घटना के बाद सरकारी स्वास्थ्य व्यवस्था और सीएचसी में मरीजों को मिलने वाली चिकित्सा सुविधाओं को लेकर सवाल उठने लगे हैं। यदि महिला की स्थिति गंभीर थी तो उसकी तत्काल चिकित्सकीय जांच और प्राथमिक उपचार क्यों नहीं किया गया? यदि उसे उच्च चिकित्सा केंद्र रेफर करना जरूरी था तो लिखित रेफरल पर्ची क्यों नहीं दी गई? आखिर प्रसव पीड़ा से परेशान गर्भवती महिला को अस्पताल पहुंचने के बाद भी तत्काल चिकित्सा सहायता क्यों नहीं मिल सकी?



सरकारी अस्पताल से निजी क्लिनिक पहुंचने की नौबत क्यों आई? सरकारी अस्पताल से कथित तौर पर बिना रेफरल पर्ची मरीज को लौटाए जाने और बाद में स्थानीय निजी क्लिनिक में प्रसव कराए जाने के बाद स्वास्थ्य व्यवस्था पर कई सवाल उठ रहे हैं। स्थानीय स्तर पर यह चर्चा भी शुरू हो गई है कि क्या सरकारी अस्पतालों में समुचित इलाज नहीं मिलने के कारण मरीजों को निजी क्लिनिकों का रुख करना पड़ रहा है? क्या सरकारी स्वास्थ्यकर्मियों और निजी क्लिनिकों के बीच किसी प्रकार का गठजोड़ है? हालांकि, निजी क्लिनिक से सांठगांठ, कमीशनखोरी या मरीजों को जानबूझकर निजी संस्थानों में भेजने संबंधी आरोपों की फिलहाल कोई पुष्टि नहीं हुई है। इसलिए इस पूरे मामले की निष्पक्ष जांच जरूरी है, ताकि वास्तविक स्थिति सामने आ सके और यदि किसी स्तर पर लापरवाही हुई है तो जिम्मेदार लोगों की जवाबदेही तय की जा सके।

एएनएम की सफाई : पहचान पत्र और मोबाइल नंबर नहीं होने से नहीं हुई एंट्री-मामले में संबंधित एएनएम रीना देवी ने अपना पक्ष रखते हुए बताया कि महिला के पास पहचान पत्र और मोबाइल नंबर उपलब्ध नहीं था। इसी वजह से अस्पताल में उसकी एंट्री नहीं हो सकी। एएनएम ने यह भी दावा किया कि गर्भवती महिला के शरीर में हीमोग्लोबिन की मात्रा कम थी। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए परिजनों को जल्द से जल्द बेहतर इलाज के लिए मोतिहारी ले जाने की सलाह दी गई थी। रेफरल पर्ची नहीं दिए जाने के सवाल पर एएनएम रीना देवी का कहना था कि जब मरीज की अस्पताल में एंट्री ही नहीं हुई तो रेफरल स्लिप कैसे बनाई जाती? हालांकि, उनके इस बयान के बाद भी कई सवाल अनुत्तरित हैं। यदि महिला की स्थिति इतनी गंभीर थी तो उसकी चिकित्सकीय जांच और उपचार की प्रक्रिया किस आधार पर की गई? क्या उसकी स्थिति से संबंधित कोई मेडिकल रिकॉर्ड तैयार किया गया था? एएनएम रीना देवी के बयान के बाद मामले की गंभीरता और बढ़ गई है। यदि महिला का हीमोग्लोबिन वास्तव में कम था तो यह अत्यंत गंभीर चिकित्सकीय स्थिति मानी जाएगी। ऐसे में सवाल उठता है कि क्या अस्पताल में उसकी तत्काल जांच की गई थी? क्या हीमोग्लोबिन की मात्रा की पुष्टि के लिए कोई जांच रिपोर्ट उपलब्ध है? क्या महिला को प्राथमिक उपचार दिया गया या सुरक्षित तरीके से उच्च चिकित्सा केंद्र तक पहुंचाने की व्यवस्था की गई? सबसे अहम सवाल यह है कि क्या पहचान पत्र और मोबाइल नंबर उपलब्ध नहीं होने की स्थिति में किसी गंभीर अवस्था में पहुंची गर्भवती महिला को जरूरी चिकित्सा सहायता से वंचित किया जा सकता है? आपात स्थिति में अस्पताल की प्राथमिक जिम्मेदारी मरीज को तत्काल चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराना है। ऐसे में पंजीकरण संबंधी औपचारिकताओं को उपचार में बाधा बनने देना उचित है या नहीं, यह भी जांच का विषय है।

सीएचसी प्रभारी ने कमेटी गठित कर जांच कराने की कही बात-इस मामले में सीएचसी प्रभारी डॉ. संजय कुमार ने बॉर्डर न्यूज मिरर से बातचीत में कहा कि मामले की जांच के लिए एक कमेटी गठित की जाएगी। कमेटी जमीनी स्तर पर पूरे प्रकरण की जांच करेगी। जांच में जो भी दोषी पाया जाएगा, उसके विरुद्ध निश्चित रूप से कार्रवाई की जाएगी, ताकि भविष्य में इस तरह की गलती दोबारा न हो और जरूरतमंद मरीजों को समुचित चिकित्सा सुविधा मिल सके। इस घटना ने घोड़ासहन सीएचसी की कार्यशैली, आपातकालीन चिकित्सा व्यवस्था और स्वास्थ्यकर्मियों की जवाबदेही पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। अब जरूरत है कि स्वास्थ्य विभाग के वरीय अधिकारी मामले का संज्ञान लेकर निष्पक्ष जांच कराएं और संबंधित स्वास्थ्यकर्मियों से स्पष्टीकरण प्राप्त करें। आमजनों का कहना है कि जांच में यह स्पष्ट होना चाहिए कि महिला को अस्पताल पहुंचने पर किस स्तर की चिकित्सा सहायता दी गई, उसकी एंट्री क्यों नहीं हुई, रेफरल पर्ची क्यों नहीं बनाई गई और हीमोग्लोबिन कम होने के दावे का चिकित्सकीय आधार क्या है। साथ ही यह भी पता लगाया जाना चाहिए कि महिला को निजी क्लिनिक में इलाज कराने की नौबत आखिर क्यों आई? फिलहाल, पूरे मामले में सबसे बड़ा सवाल यही है कि सरकारी अस्पताल में इलाज की उम्मीद लेकर पहुंची प्रसव पीड़ित महिला को आखिर निजी क्लिनिक का सहारा क्यों लेना पड़ा? अब देखना होगा कि स्वास्थ्य विभाग इस मामले में केवल जांच की औपचारिकता निभाता है या वास्तव में जिम्मेदारी तय कर दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई भी करता है।

दीपावली की रात दीपक की चिंगारी से तीन मंजिला मकान में लगी आग, समय रहते पाया गया काबू



बीएनएम @ घोड़ासहन

घोड़ासहन मेन रोड स्थित सेंट्रल बैंक के समीप रविवार को दीपावली की रात करीब आठ बजे एक तीन मंजिला मकान के तीसरे तल्ले पर अचानक आग लग गई। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, दीपक की चिंगारी से आग लगने की आशंका जताई जा रही है। आग लगने की सूचना मिलते ही अग्निशमन विभाग और पुलिस की टीम तत्काल मौके पर पहुंची और आग बुझाने में जुट गई। काफी मशक्कत के बाद अग्निशमन कर्मियों ने समय रहते आग पर काबू पा लिया, जिससे एक बड़ी घटना टल गई। बताया जाता है कि उक्त मकान एवं दुकान मुकेश जायसवाल की है, जो चॉकलेट-बिस्कुट के थोक कारोबारी हैं। घटना में करीब 20 हजार रुपये मूल्य के सामान के नुकसान का अनुमान लगाया गया है। हालांकि, आग लगने के वास्तविक कारणों की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। राहत की बात यह रही कि अग्निशमन विभाग की तत्परता से आग पर समय रहते नियंत्रण पा लिया गया और कोई बड़ी क्षति नहीं हुई।

23 वर्षों से पेड़-पौधों के साथ दीपावली मना रहे गजेंद्र यादव

बीएनएम @ बगहा



पर्यावरण संरक्षण और प्रकृति के प्रति प्रेम की अनूठी मिसाल पेश करते हुए बगहा के आईपीएस विकास वैभव चौराहे पर पर्यावरण प्रेमी गजेंद्र यादव के नेतृत्व में दीपावली की पूर्व संध्या पर विशेष दीपोत्सव का आयोजन किया गया। गजेंद्र यादव पिछले 23 वर्षों से लगातार पेड़-पौधों के बीच दीपावली मनाकर लोगों को हरियाली और पर्यावरण संरक्षण का संदेश दे रहे हैं। इस अवसर पर पेड़-पौधों के बीच दीप जलाकर प्रकृति के महत्व को रेखांकित किया गया। कार्यक्रम में एसडीएम चांदनी कुमारी, एसडीपीओ निहार भूषण, पुलिस लाइन डीएसपी धर्मेंद्र कुमार, एसएसबी 65वीं वाहिनी के कमांडेंट मनोज कुमार, 21वीं वाहिनी के कमांडेंट तपेश्वर राउत, नगर थानाध्यक्ष शैलेश कुमार, पटखौली थानाध्यक्ष उत्पल कांत और महिला थानाध्यक्ष रूबी कुमारी सहित पुलिस एवं एसएसबी के जवान शामिल हुए। वहीं समाजसेवी शंभूनाथ शुक्ल, रामसकल साह, कमलेश चतुर्वेदी, संजय यादव, जयंत यादव सहित बड़ी संख्या में गणमान्य लोगों, ग्रामीणों और छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम के माध्यम से लोगों को पेड़-पौधों के महत्व, पर्यावरण संरक्षण और आने वाली पीढ़ियों के लिए हरियाली बचाने का संदेश दिया गया। 23 वर्षों से चली आ रही यह अनूठी परंपरा रोशनी के साथ प्रकृति के प्रति कृतज्ञता और संरक्षण की जिम्मेदारी का भी संदेश दे रही है।

इनरवा गांव में जलजमाव से बदहाल स्थिति, गंदे पानी से गुजरकर छठ घाट पहुंचने को मजबूर व्रती

बीएनएम @ विजय कुमार

» 100 फीट तक सड़क पर जमा है नाली का दूषित पानी, 50 घरों का गंदा पानी बन रहा ग्रामीणों के लिए मुसीबत

रामगढ़वा। प्रखंड की शिवनगर इनरवा पंचायत स्थित इनरवा गांव में जलनिकासी की समुचित व्यवस्था नहीं होने के कारण ग्रामीण नारकीय स्थिति झेलने को विवश हैं। गांव के वार्ड संख्या-2 और 3 की मुख्य सड़क पर करीब 100 फीट तक नाली का गंदा पानी जमा है। लगभग 50 घरों का दूषित पानी सीधे सड़क पर बहने से पूरे इलाके में दुर्गंध और गंदगी का माहौल बना हुआ है। आलम यह है कि लोगों का इस रास्ते से गुजरना भी मुश्किल हो गया है। स्थानीय ग्रामीण विश्वनाथ ठाकुर, फूलमती देवी, राजेश्वर देवी, रामबाबू प्रसाद समेत अन्य लोगों ने बताया कि सड़क पर लंबे समय से जमा गंदे पानी के कारण मच्छरों का प्रकोप काफी बढ़ गया है। इससे संक्रामक बीमारियां फैलने की आशंका बनी हुई है। छोटे-छोटे बच्चे आए दिन बीमार पड़ रहे हैं। स्कूली बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों को मजबूरी में इसी दूषित पानी से होकर आवागमन करना पड़ता है। ग्रामीणों के अनुसार, यह सड़क आवागमन के लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण है। यह रक्सौल विधानसभा क्षेत्र के आदापुर प्रखंड और नरकटिया विधानसभा क्षेत्र को रामगढ़वा प्रखंड से जोड़ती है। इस मार्ग पर जलजमाव के कारण इनरवा समेत आधा दर्जन से अधिक गांवों के हजारों लोगों की आवाजाही प्रभावित हो रही है। स्थिति इतनी बदतर है कि बाइक और साइकिल से चलना तो दूर, पैदल गुजरना भी किसी चुनौती से कम नहीं है।



छठ महापर्व को लेकर बढ़ी व्रतियों की चिंता- लोक आस्था के महापर्व छठ के नजदीक आते ही जलजमाव की समस्या ने ग्रामीणों, विशेषकर छठ व्रतियों की चिंता बढ़ा दी है। व्रतियों में इसको लेकर भारी नाराजगी है। उनका कहना है कि छठ महापर्व में स्वच्छता, पवित्रता और शुद्धता का विशेष महत्व होता है, लेकिन उन्हें मजबूरी में गंदे और दुर्गंधयुक्त पानी से होकर छठ घाट तक पहुंचना पड़ेगा। स्नान कर नए वस्त्र धारण करने के बाद इस दूषित पानी से गुजरना उनके लिए बेहद कठिन होगा। वहीं, मन्नत पूरी होने पर कई व्रती दंडवत करते हुए घाट तक पहुंचते हैं। ऐसे में सड़क पर जमा गंदे पानी के बीच दंडवत करना लगभग असंभव है। व्रतियों ने प्रशासन से पर्व से पहले जलनिकासी की व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की है। इस समस्या के संबंध में पंचायत के मुखिया शिवचंद्र यादव ने बताया कि जलजमाव से निजात दिलाने के लिए पंचायत की ओर से स्थायी समाधान का प्रयास किया जा रहा है। जलजमाव वाले स्थान से करीब 800 फीट की दूरी पर सरकारी जमीन उपलब्ध है, जहां नाले के पानी की निकासी की व्यवस्था की जा सकती है। हालांकि, कुछ लोगों के विरोध के कारण इस दिशा में पहल आगे नहीं बढ़ पा रही है। उन्होंने बताया कि पंचायत की ओर से प्रत्येक घर के सामने सोख्ता गड्ढा बनवाने की भी योजना है, ताकि घरों का गंदा पानी सड़क पर नहीं बहे। लेकिन इस योजना में भी कुछ लोगों द्वारा बाधा उत्पन्न की जा रही है। इधर, ग्रामीणों ने जिला प्रशासन, प्रखंड विकास पदाधिकारी और अंचलाधिकारी से मामले में तत्काल हस्तक्षेप करने की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि छठ महापर्व की संवेदनशीलता को देखते हुए युद्धस्तर पर जलनिकासी की व्यवस्था कराई जाए, ताकि व्रतियों और श्रद्धालुओं को किसी तरह की परेशानी का सामना न करना पड़े। साथ ही जलजमाव की समस्या का स्थायी समाधान सुनिश्चित किया जाए और विकास कार्यों में बाधा डालने वालों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई हो। अब देखना यह है कि प्रशासन छठ महापर्व से पहले ग्रामीणों को इस गंभीर समस्या से कितनी जल्दी राहत दिला पाता है।

दलित बस्ती में बच्चों के साथ थानाध्यक्ष ने मनाई दिवाली, मिठाइयां बांटकर दिया सामाजिक एकता का संदेश

बीएनएम @ पहाड़पुर



दीपावली के पावन अवसर पर पहाड़पुर थानाध्यक्ष देवेंद्र कुमार ने सामाजिक सौहार्द और भाईचारे की मिसाल पेश करते हुए दलित बस्ती में बच्चों के बीच पहुंचकर दिवाली की खुशियां साझा कीं। उन्होंने बच्चों को मिठाइयां बांटीं और उनके साथ त्योहार मनाकर खुशियों में सहभागी बने। रविवार को दीपावली के दिन थानाध्यक्ष देवेंद्र कुमार कोटवा पंचायत के लखनीपुर वार्ड नंबर-09 और पहाड़पुर गांव के वार्ड नंबर-04 स्थित दलित बस्ती पहुंचे। इस दौरान उन्होंने बच्चों के बीच मिठाइयां वितरित कीं और उन्हें दीपावली की शुभकामनाएं दीं। साथ ही लोगों को नशे से दूर रहने तथा परिवार और गांव को नशामुक्त बनाने के लिए जागरूक किया। थानाध्यक्ष की इस आत्मीय पहल से बस्ती के बच्चों में खासा उत्साह देखने को मिला। मिठाइयां पाकर बच्चों के चेहरे खिल उठे। इस दौरान पुलिसकर्मियों ने लोगों के साथ मिलकर आपसी प्रेम, भाईचारे और सामाजिक एकता का संदेश दिया। थानाध्यक्ष की इस पहल की स्थानीय लोगों ने सराहना की। उन्होंने कहा कि त्योहार की वास्तविक खुशी समाज के हर वर्ग के साथ खुशियां बांटने में है। मौके पर थानाध्यक्ष के साथ थाना के सभी अधिकारी और चौकीदार मौजूद थे।

बेसहारा महिलाओं संग अधिकारियों ने मनाई दीपावली

बीएनएम @ रक्सौल



दीपावली के पावन पर्व पर रक्सौल स्थित माहेर ममता निवास में मानवता, संवेदना और सेवा की एक अनूठी मिसाल देखने को मिली। यहां अनुमंडल पदाधिकारी नागमणि वर्मा, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी मनीष आनंद एवं रक्सौल थाना इंस्पेक्टर रमेश कुमार महतो ने अपने परिवार के साथ आश्रय गृह में रह रही बेसहारा महिलाओं के बीच दीपावली का त्योहार मनाया और उनके साथ खुशियों के पल साझा किए। इस विशेष अवसर पर अधिकारियों एवं उनके परिजनों ने सभी महिलाओं के बीच मिठाइयां वितरित कीं। साथ ही उन्हें उपहार स्वरूप सोने की सामग्री भेंट की और आर्थिक सहयोग भी प्रदान किया। अपने परिवार से दूर रहकर जीवन गुजार रही इन महिलाओं के चेहरों पर खुशी, उत्साह और अपनत्व की झलक साफ दिखाई दी। इस मौके पर अधिकारियों ने कहा कि दीपावली केवल अपने घरों को दीपों से सजाने और खुशियां मनाने का त्योहार नहीं है, बल्कि उन लोगों के जीवन में भी खुशियों की रोशनी पहुंचाने का अवसर है, जिन्हें समाज और अपनों के सहारे की जरूरत है। जरूरतमंदों के साथ खुशियां बांटने से ही त्योहार की वास्तविक सार्थकता सिद्ध होती है। वहीं, माहेर ममता निवास के परियोजना प्रभारी बिरेन्द्र कुमार एवं माहेर परिवार की ओर से सभी अतिथियों का पारंपरिक रूप से आरती उतारकर स्वागत किया गया। इस मानवीय पहल के लिए माहेर परिवार ने अधिकारियों एवं उनके परिजनों के प्रति हृदय से आभार व्यक्त किया। अधिकारियों की इस संवेदनशील पहल ने न केवल बेसहारा महिलाओं के जीवन में खुशियों के दीप जलाए, बल्कि समाज को भी सेवा, सहयोग और इंसानियत का एक प्रेरणादायक संदेश दिया।

नैरेटिव समस्या का समाधान नहीं

गरीबी में भारी गिरावट का दावा करने वाली विश्व बैंक की रिपोर्ट आने के सिर्फ दो दिन पहले केपीएमजी-इंडिया ने बताया था कि भारत की 35 फीसदी आबादी कुपोषण या खाद्य असुरक्षा से ग्रस्त है। विश्व बैंक के मुताबिक भारत की अब सिर्फ 2.6 फीसदी आबादी चरम गरीबी की अवस्था में है। विश्व बैंक की चरम गरीबी का फॉर्मूला 2021 के कीमतों के मुताबिक क्रय शक्ति समतुल्यता (पीपीपी) पर प्रति दिन प्रति व्यक्ति खर्च क्षमता तीन डॉलर यानी लगभग 63 रुपये है। बैंक ने कहा कि 2011-23 के बीच भारत में 49 करोड़ 60 लाख लोगों को गरीबी रेखा से ऊपर लाया गया। अब इस रेखा के नीचे भारत में अब केवल लगभग 14 प्रतिशत आबादी है। बैंक की गरीबी रेखा प्रति दिन पीपीपी 4.2 डॉलर यानी लगभग 87 रुपये है।

यानी मासिक तकरीबन 2,700 रुपये। घर में चार व्यक्ति हों, तो जिस परिवार की मासिक आय 10,800 रुपये है, विश्व बैंक की परिभाषा के मुताबिक वह गरीब नहीं है। अब इस रकम में कोई परिवार क्या उपभोग करेगा और उसका जीवन स्तर कैसा होगा, यह अंदाजा लगाया जा सकता है। इस रूप में सोचते हुए इस विडंबना को बेहतर समझा जा सकता है कि विश्व बैंक की ये रिपोर्ट आने के सिर्फ दो दिन पहले मार्केटिंग एजेंसी केपीएमजी- इंडिया ने अपनी रिपोर्ट में बताया था कि भारत की 35.5 प्रतिशत आबादी यानी लगभग 52 करोड़ लोगों को क्रय शक्ति की कमी के कारण स्वस्थ और पौष्टिक आहार नहीं मिल पा रहा है। केपीएमजी ने कहा कि भारत के पास अनाज की पर्याप्त उपलब्धता के बावजूद देश की एक तिहाई से ज्यादा आबादी कुपोषण या खाद्य असुरक्षा से ग्रस्त है। तो ऐसे परस्पर विरोधी आंकड़ों को देख कर आम इनसान तो दूर, अर्थव्यवस्था को समझने वाले पढ़े-लिखे लोगों का भी दिमाग चकरा जाए, तो उसे स्वाभाविक ही माना जाएगा। और ऐसा नहीं है कि ऐसे अंतर्विरोध नासमझी या आंकड़ों के अभाव के कारण पैदा होते हैं। अब इस बारे में पर्याप्त अध्ययन है, जिसके मुताबिक चालू नीतियों और जारी आर्थिक सोच को वैध एवं आम जन में स्वीकार्य बनाने के लिए आंकड़ों की व्याख्या के तरीके गुजरे दशकों में इज़ाद किए गए। और जब मकसद जमीनी हकीकत को समझना नहीं, बल्कि नैरेटिव गढ़ना हो, तो फिर बात ही पलट जाती है। लेकिन नैरेटिव समस्या का समाधान नहीं हैं।

सरगुजा की जीवनदायिनी श्याम घुनघुट्टा परियोजना बनी अन्नदाताओं का सहारा

अरविन्द मोहन

-236 किलोमीटर लंबी नहर प्रणाली से किसानों को मिल रही सिंचाई सुविधा, अल्प वर्षा के दौरान भी खेती के लिए उपलब्ध हुआ पानी

-23.81 करोड़ रुपये की लागत से पुरानी नहरों का जीर्णोद्धार एवं लाइनिंग कार्य पूर्ण, जल वितरण व्यवस्था हुई बेहतर

-खेतों की सिंचाई के साथ अम्बिकापुर शहर की भी बुझा रही प्यास, अमृत योजना के तहत प्रतिवर्ष 8.93 मिलियन घनमीटर जल की आपूर्ति खेतों में लहलहाती फसलों के लिए पानी सबसे बड़ी जरूरत है। जब बारिश कम होती है और खेतोंमें नमी घटने लगती है, तब सिंचाईके भरोसेमंद साधन किसानों के लिए किसी वरदान से कम नहीं होते। सरगुजा जिले की श्याम घुनघुट्टा परियोजना वर्षों से किसानों की इसी जरूरत को पूरा कर रही है। जिले की जीवनदायिनी कही जाने वाली इस परियोजना की 236 किलोमीटर लंबी नहर प्रणाली के माध्यम से 63 गांवों के खेतों तक सिंचाई का पानी पहुंच रहा है। लगभग 35 वर्ष पुरानी नहरों के जीर्णोद्धार और लाइनिंग कार्य से जल वितरण व्यवस्था को मजबूती मिली है। विशेष रूप से अल्प वर्षा के दौरान परियोजना किसानों के लिए महत्वपूर्ण सहारा साबित हुई है। श्याम घुनघुट्टा परियोजना की उपयोगिता केवल खेतों की सिंचाई तक सीमित नहीं है। यह अम्बिकापुर शहर की पेयजल आपूर्ति का भी प्रमुख आधार है। एक ओर परियोजना की नहरें ग्रामीण क्षेत्रों में खेती-किसानी को सहारा दे रही हैं, वहीं दूसरी ओर इससे नगर निगम अम्बिकापुर को अमृत योजना के अंतर्गत प्रतिवर्ष 8.93 मिलियन घनमीटर जल उपलब्ध कराया जा रहा है।

35 वर्ष पुरानी नहरों को मिला नया जीवन, 23.81 करोड़ रुपये से हुआ जीर्णोद्धारः जल संसाधन संभाग क्रमांक-01, अम्बिकापुर से प्राप्त जानकारी के अनुसार श्याम घुनघुट्टा परियोजना लगभग 35 वर्ष पुरानी है। लंबे समय से संचालित इस परियोजना की नहरों में समय के साथ कई स्थानों पर दरारें पड़ गई थीं। इसके अलावा जलीय जीव-जंतुओं द्वारा बिल बनाए जाने से भी नहरों के क्षतिग्रस्त होने की समस्या सामने आती थी। नहरों के क्षतिग्रस्त होने से जल प्रवाह प्रभावित होता था। कई स्थानों पर पानी के रिसाव और नहरों की खराब स्थिति के कारण सिंचाई के लिए पानी पहुंचाने में कठिनाइयां होती थीं। इससे किसानों को आवश्यकतानुसार सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराने की व्यवस्था भी प्रभावित होती थी। इन समस्याओं के समाधान के लिए जल संसाधन विभाग द्वारा नहरों के जीर्णोद्धार एवं लाइनिंग कार्य की योजना तैयार की गई। इसके अंतर्गत 08 मार्च 2019 को 2381.84 लाख रुपये की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई। स्वीकृत राशि से नहरों का जीर्णोद्धार एवं लाइनिंग कार्य पूर्ण कराया गया है। इससे पुरानी नहरों की स्थिति में सुधार हुआ है और सिंचाई के लिए जल प्रवाह एवं वितरण व्यवस्था पहले की तुलना में बेहतर हुई है। जब बारिश ने छोड़ा साथ, तब नहरों के पानी ने किसानों को दी राहतः सरगुजा जिले में वर्ष 2022-23 एवं 2023-24 के दौरान अल्प वर्षा की स्थिति बनी थी। पर्याप्त बारिश नहीं होने के कारण किसानों के सामने फसलों की सिंचाई की समस्या उत्पन्न हो गई थी। खेतों में पानी की कमी से कृषि कार्य प्रभावित होने की आशंका बढ़ गई थी। ऐसे समय में श्याम घुनघुट्टा परियोजना किसानों के लिए महत्वपूर्ण सहारा बनी। परियोजना की नहर प्रणाली के माध्यम से जिले के 63 गांवों में सिंचाई के लिए पानी उपलब्ध कराया गया। इससे किसानों को वर्षा की कमी के बावजूद कृषि कार्य जारी रखने में सहायता मिली। जिन किसानों की खेती वर्षा पर निर्भर रहती है, उनके लिए जरूरत के समय सिंचाई का पानी उपलब्ध होना अत्यंत महत्वपूर्ण है। श्याम घुनघुट्टा परियोजना ने अल्प वर्षा की स्थिति में भी खेतों तक पानी पहुंचाकर कृषि गतिविधियों को सहारा देने में अपनी उपयोगिता साबित की है। 236 किलोमीटर की नहर प्रणाली, 63 गांवों की खेती को मिल रहा संबलः श्याम घुनघुट्टा परियोजना के अंतर्गत लगभग 236 किलोमीटर लंबी नहर प्रणाली विकसित है। इस विस्तृत नेटवर्क के माध्यम से जिले के 63 गांवों तक सिंचाई के लिए पानी पहुंचाया जा रहा है। नहरों के जीर्णोद्धार और लाइनिंग कार्य से जल प्रवाह की व्यवस्था में सुधार हुआ है। क्षतिग्रस्त हिस्सों की मरम्मत होने से पानी के वितरण को अधिक व्यवस्थित बनाने में सहायता मिली है। परियोजना से उपलब्ध सिंचाई सुविधा किसानों को कृषि कार्यों के लिए पानी का महत्वपूर्ण स्रोत प्रदान कर रही है। विशेष रूप से वर्षा की अनिश्चितता के बीच नहरों से पानी मिलने से खेती के लिए अतिरिक्त सहारा उपलब्ध होता है। खेतों को पानी देने के साथ अम्बिकापुर शहर की भी बुझा रही प्यासः श्याम घुनघुट्टा परियोजना ग्रामीण क्षेत्रों की सिंचाई व्यवस्था के साथ अम्बिकापुर शहर की पेयजल आवश्यकताओं को पूरा करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। परियोजना से नगर निगम अम्बिकापुर को अमृत योजना के अंतर्गत प्रतिवर्ष 8.93 मिलियन घनमीटर जल उपलब्ध कराया जा रहा है। इस जल का उपयोग शहर में पेयजल आपूर्ति के लिए किया जाता है। इस प्रकार एक ही जल परियोजना ग्रामीण और शहरी, दोनों क्षेत्रों की महत्वपूर्ण आवश्यकताओं को पूरा कर रही है। गांवों में किसानों को खेती के लिए पानी मिल रहा है, वहीं शहर में नागरिकों की पेयजल जरूरतों को पूरा करने के लिए भी जल उपलब्ध कराया जा रहा है।

जल संरक्षण और बेहतर प्रबंधन से मजबूत हुई सिंचाई व्यवस्थाः जल संसाधनों का बेहतर प्रबंधन कृषि विकास और नागरिक सुविधाओं के लिए आवश्यक है। पुरानी नहरों की मरम्मत और लाइनिंग कार्य से उपलब्ध जल के अधिक व्यवस्थित उपयोग की दिशा में महत्वपूर्ण सुधार हुआ है। श्याम घुनघुट्टा परियोजना के अंतर्गत किए गए जीर्णोद्धार कार्यों से नहरों की संरचनात्मक स्थिति बेहतर हुई है। इससे जल प्रवाह और वितरण में आने वाली बाधाओं को कम करने में सहायता मिली है। परियोजना का अनुभव यह भी दर्शाता है कि पहले से उपलब्ध जल संसाधन संरचनाओं का संरक्षण और समय पर रखरखाव ग्रामीण क्षेत्रों में सिंचाई सुविधाओं को बनाए रखने के लिए महत्वपूर्ण है। सरगुजा के किसानों और शहरवासियों के लिए जीवनदायिनी बनी परियोजना

श्याम घुनघुट्टा परियोजना आज सरगुजा जिले की कृषि और पेयजल व्यवस्था का महत्वपूर्ण आधार बनी हुई है। लगभग 35 वर्ष पुरानी इस परियोजना ने समय के साथ किसानों और नागरिकों की आवश्यकताओं को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। 23.81 करोड़ रुपये की लागत से नहरों के जीर्णोद्धार एवं लाइनिंग कार्य पूर्ण होने से सिंचाई व्यवस्था को मजबूती मिली है। 236 किलोमीटर लंबी नहर प्रणाली के माध्यम से 63 गांवों को सिंचाई सुविधा उपलब्ध हो रही है, जबकि अम्बिकापुर शहर को भी पेयजल आपूर्ति के लिए जल प्राप्त हो रहा है। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत श्याम घुनघुट्टा परियोजना की यह उपलब्धि जल संसाधनों के संरक्षण, बेहतर प्रबंधन और जनसुविधाओं के विस्तार का महत्वपूर्ण उदाहरण है। बारिश की कमी के समय खेतों तक पहुंचने वाला पानी किसानों की मेहनत को सहारा देता है, वहीं शहर की पेयजल जरूरतों को पूरा करने में भी परियोजना की अहम भूमिका है। सरगुजा की यह जीवनदायिनी परियोजना खेतों की सिंचाई और नागरिकों की पेयजल आवश्यकताओं को पूरा करते हुए ग्रामीण एवं शहरी जीवन के लिए एक महत्वपूर्ण जल स्रोत बनी हुई है।

जातियों का हिसाब साफ नहीं हो पाएगा

अरविन्द मोहन

दिलचस्प है कि 1931 में जब आखिरी जातिवार जनगणना हुई थी तब 4147 जातियां गिनी गई थी। 1980 के दशक में समाजशास्त्री कुमार सुरेश सिंह के नेतृत्व में भारतीय समाज के व्यापक सर्वेक्षण में भी करीब 3800 जातियां गिनी गई थी। यह सर्वेक्षण रिपोर्ट 43 खंडों में उपलब्ध है। पर सरकार चाहेगी तब ये हिसाब हैं। अगर वही टालना चाहती है तो जातिवार जनगणना के सवाल को दफन ही मानिए। माना जाता है कि 2011 की जनगणना में जाति की सूचना जोडऩे का फैसला जिस राजनैतिक दबाव में लिया गया उसे बनाने में शरद यादव की भूमिका सबसे बड़ी थी। मण्डल की राजनीति से देश में चर्चित हुए शरद यादव को इस मुहिम की हवा कमजोर होते जाने का अंदाजा था और उसके कारणों को दूर करना उनके वश में न था। एक बड़ा कारण तो मण्डल का राजनैतिक लाभ गिनती के परिवारों में सिमट जाना था। लेकिन उनको भरोसा था कि एक बार जब जातिवार गिनती के आँकड़े सामने आएंगे तो फिर से जाति का विमर्श राजनीति के केंद्र में आ जाएगा। यह गिनती हुई भी लेकिन ऐसा नतीजा नहीं निकला। उसकी वजह जातिवार आँकड़े कभी जारी ही न हो पाना है।

पहले यह लगता रहा कि कांग्रेस की अगुआई वाली यूपीए सरकार की इच्छा न थी और वह शुरू से ताल मटोल कर भी रही थी। उसने मुख्य जनगणना के सवालों में जाति वाली सूचना मांगी भी नहीं थी। यह सर्वे बाद में हुआ। लेकिन बाद में यह जाहिर हुआ कि आंकड़े बहुत ही खराब स्वरूप में आए हैं और अगर उनको जारी किया गया तो झगड़े बढ़ेंगे और जातियों का आपसी संबंध कलह में बदल सकता है। योजना बनाने, संसाधनों के बंटवारे और सत्ता में हिस्सेदारी के बंटवारे के जिस उद्देश्य से इसे कराने का आग्रह किया गया था वह कोई भी लक्ष्य पूरा होता नहीं दिख रहा था। फिर न आँकड़े जारी हुए न कारण बताया गया। मनमोहन सरकार अपनी आदत के अनुसार आलोचना सुनकर भी चुप रही और विपक्ष, जिसमें भाजपा भी शामिल थी, इस चूक या गलती का ठीकरा सरकार के सिर फोड़कर अपनी राजनीति चमकाता रहा। इसमें मण्डल वाला खेमा तो निरंतर कमजोर पड़ता गया और दो राज्यों तथा परिवारों की राजनीति तक सिमट गया लेकिन दिन ब दिन ताकतवर होती गई भाजपा भी इस सवाल से कांग्रेस को पीटने में पीछे नहीं रही। लेकिन अचानक पाला पलटा क्योंकि राहुल गांधी जातिवार जनगणना के पक्ष में हो गए। उन्होंने बाजापता कांग्रेसी सरकारों द्वारा लगाई गई देरी को गलत कहना भी शुरू किया। यह शुरुआत तब हुई जब बिहार सरकार ने अपने यहां जातिवार जनगणना का फैसला किया और कांग्रेस उस सरकार में शामिल थी। सहमति तो बिहार भाजपा ने भी दी थी लेकिन केंद्र सरकार ने इसे रोकने के लिए अदालत का दरवाजा खटखटाने से लेकर हर उपाय किए। लेकिन जब राहुल गांधी और उनके पीछे पूरी मंडलवादी धारा ने जातिवार जनगणना को एक बड़ा राजनीतिक मुद्दा बना दिया तो भाजपा को भी पक्ष में दिखने की मजबूरी हो गई। राहुल को अब यह अपना एक नया हथियार लगाने लगा।

लेकिन भाजपा जातिवार जनगणना की कौन कहे सामान्य जनगणना कराने से भी हिचकती रही है। इसके क्या कारण हो सकते हैं इसका अनुमान भर लगाया जा सकता है लेकिन उसकी चर्चा यहां करने का मतलब नहीं है। मतदाता सूची के पुनरीक्षण और नागरिकता के सवालों पर उसका रवैया भी समझ में नहीं आता। संयोग से 2020 के आसपास फैले कोविड ने उसे एक बहाना भी दे दिया। यह जरूर है कि संघ परिवार जिस दर्शन को मानकर आगे बढ़ा है और केंद्र की सरकार तक पर अपना कब्जा करने में सफल हुआ है उसमें वर्ण व्यवस्था को उचित मानना, औरत, अल्पसंख्यक, दलित और आदिवासी का स्थान समाज में सबसे नीचे मानना शामिल है। घ में तो आज तक कोई दलित, कोई औरत, कोई आदिवासी या ओबीसी शीर्ष के पद तक नहीं पहुंचा है जबकि संघ सौ साल से ज्यादा से काम कर रहा है। उसने बहुत बाद में आरक्षण के पक्ष में बयान दिए और चुनावी मजबूरियों के चलते पिछड़ों को स्थान देना शुरू किया लेकिन यह उनका हक मानना उसे स्वीकार नहीं है। नरेंद्र मोदी का पिछड़ा होना सिर्फ वोट की राजनीति के लिए सुविधा बढ़ाने वाला साबित हुआ है नजरिया बदलने वाला नहीं। पर जब राहुल की अगुआई में लगभग पूरे विपक्ष और भाजपा के अंदर के पिछड़े तबके ने दबाव बनाया तो उसने देर से शुरू हुई जनगणना के साथ जातिवार गणना का प्रस्ताव भी स्वीकार कर लिया था। पर एक बार जनगणना का शुरुआती हिसाब हो जाने के बाद जाति की गिनती जब शुरू होने वाली थी तो खबर आई कि जनगणना के फार्म में सीधे वही सूचना दर्ज कर ली जाएगी जो सामने वाला व्यक्ति अपनी जाति को लेकर कहेगा। इसमें न तो उससे कोई प्रमाण देने को कहा जाएगा और ना ही सरकार अपने वर्गीकरण के हिसाब से उसकी जाति दर्ज करने की कोशिश करेगी। दलितों के मामले में ऐसा नहीं है। वहां उनकी जाति अनुसूचित जातियों की सूची के हिसाब से दर्ज हो रही है। ऐसी गड़बड़ खास तौर से ओबीसी वर्ग के साथ हो रही है जिनकी संख्या का हिसाब ही राजनीति, अर्थनीति और समाज नीति के हिसाब से सबसे महत्वपूर्ण है। यह समाज का सबसे बड़ा जमात है भी और राजनैतिक बदलाव को इसी जमात के लोग नेतृत्व दे रहे हैं। और यह स्थिति तब है जबकि केंद्र सरकार और हर राज्य सरकार ने अपने यहां के ओबीडी जमात की जातियों की आधिकारिक सूची तय कर रखी है। मण्डल वाले आरक्षण के लिए यह बुनियादी जरूरत है। और लग रहा है कि बात 2011 वाले अनुभव पर ही जाकर रुकेगी और जातियों का हिसाब साफ नहीं हो पाएगा। 2011 में जब लोगों को अपनी मर्जी से जाति बताने और उसी सूचना को दर्ज करने का काम हुआ तो देश में 46.7 लाख जातियां निकल आईं और इनमें कौन अगड़ा है कौन पिछड़ा इसका कोई हिसाब सामने नहीं आया। जब अंगरेजी राज में जातिवार जनगणना होती थी तब हर बार अनेक पिछड़ी जातियों की तरह से खुद को क्षत्रिय या ब्राह्मण होने का दावा पेश होता था और इसे निपटाना ज्यादा मुश्किल नहीं होता था। और अनेक लोगों का मानना है की जातियों का मौजूदा स्वरूप इन्ही जनगणनाओं के ऐसे विवादों से ते हुई है, उससे पहले उनका स्वरूप ऐसा न था। लेकिन अब तो ऊंची जाति वाले भी खुद को पिछड़ा और दलित बताने की होड में हैं जिससे आरक्षण का लाभ मिल जाए। सरकारी नौकरी पाने के लिए बेइमानी होना आम है, अब तो सांड विधायक बनने के लिए लोग झूठी जाति बताते हैं। ऐसे में वह निर्णय तो करना होगा। दिलचस्प है कि 1931 में जब आखिरी जातिवार जनगणना हुई थी तब 4147 जातियां गिनी गई थी। 1980 के दशक में समाजशास्त्री कुमार सुरेश सिंह के नेतृत्व में भारतीय समाज के व्यापक सर्वेक्षण में भी करीब 3800 जातियां गिनी गई थी। यह सर्वेक्षण रिपोर्ट 43 खंडों में उपलब्ध है। पर सरकार चाहेगी तब ये हिसाब हैं।

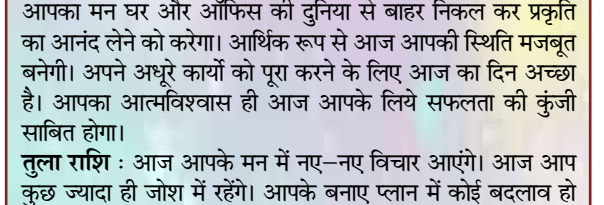
भूख और कुपोषण के खिलाफ और सशक्त प्रयास की जरूरत

मनोज कुमार अग्रवाल

ग्लोबल हंगर इंडेक्स 2026 में भारत 122 देशों में 100वें स्थान पर है। भारत सरकार राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम और प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत वर्तमान में लगभग 78.90 करोड़ से 81.35 करोड़ लोगों को खाद्य सुरक्षा प्रदान कर रही है इस के बावजूद भी वैश्विक भूख इंडेक्स 2026 में भारत 122 देशों में 100वें स्थान पर होौना न सिर्फि शर्मनाक है वरन सरकारी योजनाओं के सही क्रियान्वयन पर भी सवाा खड़े करता है। भारत का स्कोर 24.1 है, जो उसे भूख की गंभीर श्रेणी में रखता है।हाल ही में ग्लोबल हंगर इंडेक्स 2026 रिपोर्ट जारी की गई है।इस साल की रिपोर्ट की थीम खाद्य सुरक्षा के बिना कोई सुरक्षा नहीं है।भारत का वैश्विक भूख सूचकांक में सौ वें स्थान पर होना हुक्मरानों के भूख से जंग में सफलता के दावों को खारिज कर रहा है। आपको बता दें कि इस रिपोर्ट को वेल्थंगरहिल्फे , रूर यूनिवर्सिटी बोचुम के इंस्टीट्यूट फॉर इंटरनेशनल लॉ ऑफ पीस एंड आर्म्ड कॉन्फ्लिक्ट और स्विस संगठन हेल्वेटास द्वारा संयुक्त रूप से जारी किया गया है। रिपोर्ट के अनुसार, आर्थिक अस्थिरता, जलवायु संबंधी संकटों और वैश्विक संघर्षों की वजह से दुनिया के कई हिस्सों में खाद्य सुरक्षा का संकट गहरा गया है। पाकिस्तान सहित कई देशों में गंभीर स्तर पर भुखमरी का सामना करने की बात सामने आई हैग्लोबल हंगर इंडेक्स 2026 की रिपोर्ट के अनुसार, पिछले दो दशकों में भुखमरी के खिलाफ जो वैश्विक प्रगति हुई थी, वह अब कई संकटों जैसे युद्ध, आर्थिक झटके और जलवायु परिवर्तन के कारण रुक गई है। इस वर्ष की वैश्विक रिपोर्ट के मुख्य निष्कर्ष और आंकड़े काफी चिंताजनक हैं वैश्विक स्कोर में गिरावट साल 2026 के लिए दुनिया का सामूहिक वैश्विक भूख सूचकांक स्कोर 18.1 रहा है, जो मध्यम श्रेणी में आता है। हालांकि, यह 2018 के स्कोर (17.6) की तुलना में खराब है, जो यह दर्शाता है कि भुखमरी को खत्म करने की वैश्विक रफ्तार धीमी या बाधित हो गई है।सबसे प्रभावित क्षेत्रों में सहारा अफ्रीका स्कोर 27.5 और दक्षिण एशिया स्कोर 23.5 में भुखमरी का स्तर अब भी सबसे गंभीर बना हुआ है।दुनिया के 32 देशों में भुखमरी की स्थिति 2018 की तुलना में अधिक बिगड़ी है। कुल 8 देशों बुरुंडी, चाड, कांगो, मेडागास्कर, सोमालिया, दक्षिण सूडान, सूडान और यमन को भुखमरी की चिंताजनक श्रेणी में रखा गया है, जिसमें सोमालिया का स्कोर सबसे खराब है।इस सबके बावजूद पर्याप्त डेटा वाले कुल 122 देशों की सूची में



भारत 100वें स्थान पर होना गौरव की बात नहीं है।वैश्विक भूख सूचकांक में भारत 100 वे स्थान पर 24.1स्कोर के साथ गंभीर श्रेणी में रखा गया है। जबकि नेपाल ने बेहतर प्रदर्शन किया है। रिपोर्ट के अनुसार, नेपाल ने दक्षिण एशिया में सबसे उल्लेखनीय सुधार किया है।पाकिस्तान 106 वें स्थान पर 25.5 स्कोर के साथ गंभीर श्रेणी में सूचीबद्ध है। आपको बता दें कि भारत का स्कोर 24.1 है, जो यह दिखाता है कि देश में लंबे समय के सुधारों जैसे बाल कुपोषण में कमी के बावजूद चुनौतियां अब भी बेहद गंभीर हैं।भारत के चार प्रमुख संकेतक यह सूचकांक चार मुख्य मापदंडों पर आधारित होता है। भारत के संदर्भ में ये आंकड़े इस प्रकार हैं। अल्पपोषण देश की कुल आबादी का 9.8% हिस्सा पर्याप्त कैलोरी नहीं पा रहा है।उम्र के हिसाब से कम लंबाई 5 साल से कम उम्र के 29.3% बच्चे इसके शिकार हैं हालांकि यह साल 2000 के 50% से काफी बेहतर सुधार है।लंबाई के हिसाब से कम वजनभारत में यह दर लगभग 19% है, जो तीव्र कुपोषण को दर्शाती है।बाल मृत्यु दर 5 वर्ष से कम उम्र के बच्चों की मृत्यु दर में मामूली गिरावट जारी है। रिपोर्ट के मुताबिक, खाद्य असुरक्षा और वैश्विक अस्थिरता का आपस में गहरा संबंध है। रूस-यूक्रेन युद्ध और पश्चिम एशिया इजरायल ईरान अमेरिका के मध्य त्रिकोण तनाव ने वैश्विक खाद्य और उर्वरक आपूर्ति को बुरी तरह प्रभावित किया है। चरम मौसम और फसलों की नाकामी विकासशील देशों की खाद्य प्रणालियों को तोड़ रही है। वैश्विक स्तर पर भोजन की महंगाई के कारण गरीब परिवारों को मजबूरन कम पौष्टिक खाना चुनना पड़ रहा है या भोजन छोड़ना पड़ रहा है। भारत के पिछड़े की स्थिति से निपटने के लिए नीतिगत सुझाव भी सामने रखे गए हैं इन सुझावों में मुख्य खाद्य पदार्थों की प्राप्ति के अतिरिक्त आहार विविधता और बच्चों की वृद्धि को भी शामिल किया जाना चाहिए।मातृ पोषण और प्रारंभिक बाल्यावस्था की देखभाल पर निरंतर ध्यान देना आवश्यक है।जिला-स्तरीय योजना के माध्यम से उन समुदायों की पहचान की जा सकती है, जिन्हें अधिक गहन सहायता की आवश्यकता है। पोषण कार्यक्रमों को स्वास्थ्य सेवा, उपक्रम, स्वच्छता और शिक्षा सेवाओं के साथ समन्वित ढंग से संचालित किया जाना चाहिए। कार्यक्रमों की समीक्षा में व्यय और अपेक्षाओं तक पहुँच के साथ-साथ पोषण की स्थिति में सुधार को भी दोगुना जाना चाहिए।ये आयाम से प्राप्त नीतिगत पद्धतियां हैं। इनका अर्थ यह नहीं है कि इंडेक्स किसी विशिष्ट सरकारी कार्यक्रम की प्राप्ति स्थापित करता है।जरूरत इस बात की है कि गर्भावस्था और बच्चे के जीवन के पहले दो वर्षों के दौरान सहायता को प्राथमिकता दी जाए।पोषण संबंधी हस्तक्षेपों के माध्यम से स्थानीय परिस्थितियों के अनुकूल, पोषण तत्वों से भरपूर खाद्य पदार्थों तक पहुँच बढ़ाई जाए। अग्रिम पंक्ति के अवसरों को पर्याप्त प्रशिक्षण, संसाधन और विद्वानों को उपयुक्त स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंचाने के लिए सहयोग दिया जाए।राष्ट्रीय सर्वेक्षण के साथ जिला-स्तरीय सर्वेक्षणों और कार्यक्रम निगरानी से प्राप्त जानकारी का उपयोग किया जाए। जरूरतमंद परिवारों को संकटों से सुरक्षाः खाद्य सहायता और आजीविका सहयोग की व्यवस्थाओं में ऐसा प्रावधान हो कि अतिरिक्त परिस्थितियों के अनुसार सहायता बढ़ाई या समायोजित की जा सके।यह आकलन किया जाए कि हस्तक्षेपों से पोषण की स्थिति में मूल्यांकन योग्य सुधार हो रहा है या नहीं।जल प्रबंधन, भंडारण और विविध उत्पादन के लिए स्थानीय परिस्थितियों के अनुकूल उपायों को प्रोत्साहित किया जाए।



मेष राशि : आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। पारिवारिक जीवन में चल रहे कुछ महत्वपूर्ण कार्य आज पूरे होंगे। अपना व्यवहार सकारात्मक बनाए रखें। भविष्य के लिये बनायी योजनाओं पर भी आज कुछ सोच-विचार कर सकते हैं। अपने उद्देश्यों को प्राप्त करने में पिता का सहयोग मिलेगा। जीवन में अपने परिवार, दोस्तों और जीवनसाथी की भूमिका को पहचानेंगे।

वृष राशि : आज का दिन अच्छा रहने वाला है। व्यापार में आज आपको रोज की अपेक्षा ज्यादा मुनाफा होगा। निवेश से जुड़े कुछ बेहतर मौके आपको मिल सकते हैं। आज का दिन योजना बनाने और फैसला लेने के लिए बहुत अच्छा है। आज अपना पूरा ध्यान अपनी जिमेदारियों पर रखें।

मिथुन राशि : आज आपका दिन खुशियों भरा रहेगा। आज आपका मन नये कार्यो को सीखने में लगेगा। आज आपके बिजनेस में दो गुना वृद्धि होने के योग बन रहे हैं। आज अपने कामकाज को पूरी सावधानी से करें, साथ ही दूसरों की हर संभव मदद करें। आज आपकी आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी। लवमेट के लिए आज का दिन अच्छा रहेगा, कोई उपहार मिलने से मन प्रसन्न रहेगा।

कर्क राशि : आज का दिन उत्तम रहने वाला है। आप अपनी सोच को सकारात्मक रखें। आज जॉब स्विच करने का मन बना सकते हैं, इसके लिए आपको अच्छे ऑप्शन मिल सकते हैं। महिलायें आज घर के काम-काज निपटाने में सफल रहेंगी। आज जीवनसाथी को मनाने के लिए उन्हें उनके मनपसंद का उपहार देंगे।

सिंह राशि : आज का दिन अच्छा रहेगा। जिससे भी मिलेंगे वह व्यक्ति आपसे प्रभावित होगा। बिजनेस में परिवार से सहयोग मिलेगा। वर्क प्लेस पर अपनी वाणी पर संयम बनाए रखें। अपने करियर को लेकर मन में दुविधा होगी, लेकिन किसी जानकार से सलाह लेने पर जल्द ही वह दूर भी हो जायेगी। स्वास्थ्य पहले से बेहतरीन रहने वाला है। पिता बच्चों के साथ गेम्स खेलने का प्लान बन सकता है।

कन्या राशि : आज का दिन आपके फेवर में रहने वाला है। आज आपका मन घर और ऑफिस की दुनिया से बाहर निकल कर प्रकृति का आनंद लेने को करेगा। आर्थिक रूप से आज आपकी स्थिति मजबूत बनेगी। अपने अधूरे कार्यो को पूरा करने के लिए आज का दिन अच्छा है। आपका आत्मविश्वास ही आज आपके लिये सफलता की कुंजी साबित होगा।

तुला राशि : आज आपके मन में नए–नए विचार आएंगे। आज आप कुछ ज्यादा ही जोश में रहेंगे। आपके बनाए प्लान में कोई बदलाव हो सकता है। बिजनेस में कुछ नया करने की इच्छा होगी। दिल की बजाय दिमाग से काम लें। व्यापार में अच्छा लाभ होने से, आपका आर्थिक पक्ष मजबूत बनेगा। आज ऑफिस में आपका प्रमोशन होने के चांस बन रहे हैं।

वृश्चिक राशि : आज प्रॉपर्टी में निवेश के लिए दिन अच्छा रहेगा। आज बड़े-बुजुर्गों की सलाह आपके लिए लाभकारी सिद्ध होगी। आज आपके लिये धन लाभ के योग बने हुये हैं। समाज कल्याण की तरफ भी आपका रुझान होगा। शत्रु आपको हराने का प्रयास करेंगे, लेकिन आपके सम्मुख ठहर नहीं सकेंगे। नौकरी कर रहे लोगों को विशेष सफलता हासिल होगी, ऑफिस में किसी बड़े अधिकारी का सहयोग मिलेगा।

धनु राशि : आज आपका रुझान अध्यात्मक की तरफ ज्यादा रहेगा। आज घर पर किसी धार्मिक अनुष्ठान का आयोजन करेंगे, जिसमें लोगों का आना-जाना लगा रहेगा। राजनीतिक कार्यों में आपकी रुचि बढ़ेगी, साथ ही समाज में आपका मान-सम्मान बढ़ेगा। आज किसी प्रतियोगिता में आपकी परफॉरमेंस अच्छी रहने वाली है।

मकर राशि : आज कार्यस्थल पर वरिष्ठ अधिकारी आपके काम की तारीफ करेंगे। आपकी सैलेरी में बढ़ोतरी भी हो सकती है, जिससे आपका मन प्रसन्न रहेगा। आज का दिन अनुकूल रहने वाला है। आपके अच्छे प्रदर्शन का प्रभाव आपके करियर पर स्पष्ट रूप से दिखाई देगा।

कुंभ राशि : आज का दिन आपके लिए उत्तम रहेगा। आज सामाजिक कार्यों में अपना योगदान देंगे। कार्यक्षेत्र में उम्मीद के अनुसार कामयाबी हासिल होगी। आज आपकी बात अपने बेस्ट फ्रेंड से हो सकती है। पारिवारिक मामलों में किसी बात को लेकर जीवनसाथी से विचार विमर्श करेंगे। आज के दिन दूर की यात्रा करने से बचें।

मीन राशि :आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। संतान की करियर को बेहतर बनाने के लिए आज किसी शिक्षक से सलाह लेंगे। दोस्तों के साथ बाहर मौसम का लुफ्त उठा सकते हैं। पूरा दिन एंज्वॉय से भरा रहेगा। ऑफिस में काम को लेकर बॉस आपकी तारीफ कर सकते हैं।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसार:-9931408109 ईमेल:-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइट:-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

न्यूजीलैंड दौरे पर भारतीय हॉकी टीम की कमान संभालेंगे संजय

- दोनों देशों के खेल संबंधों के 100 साल पूरे होने पर होंगे मुकाबले

एजेंसी, नई दिल्ली



हॉकी इंडिया ने न्यूजीलैंड के आगामी दौरे के लिए सोमवार को 20 सदस्यीय भारतीय पुरुष हॉकी टीम की घोषणा कर दी। पेरिस ओलंपिक 2024 में कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय टीम के सदस्य संजय को टीम की कप्तानी सौंपी गई है। यह दौरा 15 से 23 नवंबर तक ऑकलैंड में आयोजित होगा। इस दौरान भारतीय टीम मेजबान न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन मुकाबले खेलेगी। यह दौरा भारत और न्यूजीलैंड के बीच खेल संबंधों के 100 वर्ष पूरे होने के अवसर पर आयोजित किया जा रहा है। इसका आधिकारिक नाम '2026 इंडिया-न्यूजीलैंड सेंचुरी ऑफ स्पोर्टिंग यूनिटी इवेंट-खेल साझेदारी के माध्यम से भारत और न्यूजीलैंड के बीच एकता के 100 वर्ष' रखा गया है। दोनों देशों के बीच खेल संबंधों की शुरुआत वर्ष 1926 से मानी जाती है। उस समय महान हॉकी खिलाड़ी मेजर ध्यानचंद की मौजूदगी वाली भारतीय सेना की हॉकी टीम न्यूजीलैंड का दौरा करने वाली किसी भी खेल में भारत की पहली टीम बनी थी। आगामी आयोजन इसी ऐतिहासिक उपलब्धि का जश्न मनाने के साथ दोनों देशों के पुराने खेल संबंधों को और मजबूत करने का अवसर होगा। भारतीय टीम की कमान संभालने वाले संजय के सामने युवा खिलाड़ियों को मार्गदर्शन देने की जिम्मेदारी होगी। इस दौरे को उभरते खिलाड़ियों के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अनुभव हासिल करने के महत्वपूर्ण अवसर के रूप में देखा जा रहा है। साथ ही कोचिंग स्टाफ को भी नई प्रतिभाओं का आकलन करने और भारतीय पुरुष हॉकी टीम की बेंच स्ट्रेंथ मजबूत करने का मौका मिलेगा। भारतीय टीम के मुख्य कोच क्रेग फुल्टन ने हॉकी इंडिया के हवाले से कहा, "इस टीम में कुछ उभरते हुए अंडर-21 खिलाड़ियों और मौजूदा इंडिया ए टीम के मुख्य खिलाड़ियों का अच्छा मिश्रण है। तीन मैचों का यह दौरा सही समय पर हो रहा है। हमें घरेलू मैदान पर मजबूत न्यूजीलैंड टीम के खिलाफ तीन मुकाबलों में अपनी टीम की क्षमता को परखने का अवसर मिलेगा।" उन्होंने उम्मीद जताई कि चुने गए खिलाड़ी इस मौके का पूरा फायदा उठाएंगे, अपनी प्रतिभा दिखाएंगे और भविष्य में राष्ट्रीय टीम के लिए चयन के अपने दावे को मजबूत करेंगे। हॉकी इंडिया के अध्यक्ष डॉ. दिलीप टिर्की ने कहा, "न्यूजीलैंड का यह दौरा दोनों देशों के बीच खेल मित्रता के 100 वर्ष पूरे होने का जश्न मनाने का शानदार अवसर है। मुझे विश्वास है कि हमारे युवा खिलाड़ी इस अनुभव का पूरा लाभ उठाएंगे और भारतीय हॉकी की प्रतिभा तथा क्षमता का प्रदर्शन करेंगे।" हॉकी इंडिया के महासचिव भोला नाथ सिंह ने कहा, "यह दौरा बेहद ऐतिहासिक महत्व रखता है, क्योंकि हम भारत और न्यूजीलैंड के बीच खेल साझेदारी के एक शतक का जश्न मना रहे हैं। यह हमारे प्रतिभाशाली युवा खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय अनुभव हासिल करने, अपनी क्षमता दिखाने और भविष्य की चुनौतियों के लिए अपनी तैयारी साबित करने का महत्वपूर्ण मंच भी प्रदान करेगा।"

न्यूज़ीलैंड सीरीज से पहले शेफील्ड शील्ड में लौटेंगे ऑस्ट्रेलिया के 11 टेस्ट सितारे

एजेंसी, मेलबर्न



न्यूजीलैंड के खिलाफ आगामी टेस्ट सीरीज की तैयारियों के लिए ऑस्ट्रेलिया के 11 प्रमुख टेस्ट खिलाड़ी अगले एक महीने में अलग-अलग चरणों में शेफील्ड शील्ड क्रिकेट में वापसी करेंगे। न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम की घोषणा इस सप्ताह शेफील्ड शील्ड के चौथे दौर के मुकाबले समाप्त होने के बाद की जाएगी। ऑस्ट्रेलिया की चयन समिति के अध्यक्ष जॉर्ज बेली ने सोमवार को बताया कि कूपर कोनोली, एलेक्स कैरी, कैमरन ग्रीन, जोश इंग्लिस और अनुभवी बल्लेबाज स्टीव स्मिथ शेफील्ड शील्ड के पांचवें दौर में अपनी-अपनी राज्य टीमों की ओर से खेलेंगे। वहीं, मार्नस लाबुशेन, माइकल नेसर, मैट कुहनेमन, ब्यू वेबस्टर और नाथन लियोन चौथे दौर में मैदान पर उतरेंगे। बेली ने कहा, "मार्नस, माइकल नेसर, मैट कुहनेमन, ब्यू वेबस्टर और नाथन लियोन शेफील्ड शील्ड के चौथे दौर में खेलने की तैयारी कर रहे हैं। एलेक्स कैरी और स्टीव स्मिथ पांचवें दौर में टीम से जुड़ेंगे। कूपर कोनोली, कैमरन ग्रीन और जोश इंग्लिस भी पांचवें दौर में खेलेंगे। वे स्पष्ट रूप से टेस्ट सीरीज की तैयारी कर रहे हैं। स्कॉट बोलैंड के पांचवें दौर में खेलने की पुष्टि होना अभी बाकी है।" बेली ने इससे पहले स्पष्ट किया था कि लाबुशेन को न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टेस्ट के लिए चयन के दायरे में नहीं रखा जाएगा। उनके पूरी सीरीज से बाहर रहने की भी संभावना है। शेफील्ड शील्ड का चौथा दौर बुधवार से शुरू होगा। इसमें मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड पर विक्टोरिया और वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया के बीच मुकाबला खेला जाएगा। वहीं, न्यू साउथ वेल्स की टीम साउथ ऑस्ट्रेलिया और क्वींसलैंड की टीम तस्मानिया से भिड़ेगी। पांचवें दौर के मुकाबले 22 नवंबर से शुरू होंगे। इस दौर में पुरानी प्रतिद्वंद्वी न्यू साउथ वेल्स और क्वींसलैंड आमने-सामने होंगी। इस मुकाबले का खास आकर्षण अच्छे दोस्त स्टीव स्मिथ और मार्नस लाबुशेन के बीच होने वाली संभावित भिड़ंत होगी। साउथ ऑस्ट्रेलिया के आक्रामक बल्लेबाज ट्रेविस हेड और क्वींसलैंड के उनके नए सलामी जोड़ीदार मैथ्यू रेनशॉ की शेफील्ड शील्ड में वापसी की तारीख अभी तय नहीं हुई है। बेली ने संकेत दिया कि न्यूजीलैंड के बाद लगातार होने वाली टेस्ट सीरीज को देखते हुए इन दोनों खिलाड़ियों को आराम दिया जा सकता है। न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज के बाद ऑस्ट्रेलिया को सीधे भारत का पांच टेस्ट मैचों का दौरा करना है। इसके बाद मार्च में इंग्लैंड के खिलाफ ऐतिहासिक 150वीं वर्षगांठ का टेस्ट मुकाबला खेला जाएगा। स्टीव स्मिथ दक्षिण अफ्रीका सीरीज के बाद अपनी गर्दन की चोट से उबरने के लिए न्यूयॉर्क में समय बिता रहे हैं।

भारत ए-न्यूज़ीलैंड ए के बीच तीसरे अनौपचारिक टेस्ट का तीसरा दिन बारिश की भेंट चढ़ा

एजेंसी, लिंकन



भारत ए और न्यूजीलैंड ए के बीच तीसरे और अंतिम बहुदिवसीय अनौपचारिक टेस्ट मैच के तीसरे दिन का खेल सोमवार को लगातार बारिश के कारण नहीं हो सका। लिंकन के बर्ट सटक्लिफ ओवल में पूरे दिन बारिश जारी रहने के कारण एक भी गेंद नहीं फेंकी जा सकी।

दूसरे दिन का खेल समाप्त होने तक न्यूजीलैंड ए ने भारत ए के पहली पारी के 464 रन के जवाब में दो विकेट पर 36 रन बना लिए थे। भारतीय टीम ने अपनी पहली पारी पांच विकेट पर 464 रन बनाकर घोषित की थी। बारिश के कारण भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और प्रसिद्ध कृष्णा को भी अभ्यास मैच में गेंदबाजी का पर्याप्त मौका नहीं मिल सका। दोनों खिलाड़ी ब्रेक के बाद मैदान पर वापसी कर रहे हैं और न्यूजीलैंड के खिलाफ आगामी दो टेस्ट मैचों की सीरीज की तैयारी में जुटे हैं। बुमराह ने दूसरे दिन शाम को छह ओवर गेंदबाजी की थी, लेकिन उन्हें कोई विकेट नहीं मिला। वहीं, प्रसिद्ध कृष्णा ने न्यूजीलैंड ए की पहली पारी में गिरे दोनों विकेट अपने नाम किए थे। इससे पहले भारत ए की पारी में सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल ने दौरे का लगातार दूसरा शतक लगाते हुए 102 रन बनाए। उनके अलावा साई सुदर्शन ने 88, ध्रुव जुरेल ने 71 और तिलक वर्मा ने नाबाद 81 रन की पारी खेली। वाशिंगटन सुंदर 50 रन बनाकर नाबाद रहे। दोनों टीमों के बीच खेली गई अनौपचारिक टेस्ट सीरीज के शुरुआती दोनों मुकाबले ड्रॉ रहे थे।

भारत बनाम न्यूजीलैंड तीसरा वनडेः सीरीज पर कब्जा करने उतरेगी टीम इंडिया

एजेंसी, नई दिल्ली



भारतीय क्रिकेट टीम मौजूदा समय में न्यूजीलैंड के दौरे पर है, जहाँ उसने पहले ही पाँच मैचों की टी-20 श्रृंखला खेल ली है और अब पाँच मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला का रोमांच जारी है। शुरुआती दो एकदिवसीय मुकाबलों में शानदार प्रदर्शन करते हुए टीम इंडिया ने श्रृंखला में 2-0 की बढ़त बना ली है। अब सभी की निगाहें तीसरे वनडे मैच पर टिकी हैं, जहाँ भारतीय टीम सीरीज पर कब्जा करने के इरादे से मैदान पर उतरेगी। एक रिपोर्ट के अनुसार, यह महत्वपूर्ण मुकाबला मंगलवार, दस नवंबर को हैमिल्टन के सीडन पार्क में खेला जाएगा। यह मुकाबला भारतीय समयानुसार सुबह 7:30 बजे से शुरू होगा। यह मैच भारत के लिए सीरीज जीतने का सुनहरा अवसर है, वहीं न्यूजीलैंड के लिए अपनी लाज बचाने और वापसी करने का आखिरी मौका है। श्रृंखला के अब तक के दो मुकाबले बेहद चुनौतीपूर्ण रहे हैं, जहाँ बल्लेबाजों को लगातार मुश्किलों का सामना करना पड़ा है। एकदिवसीय श्रृंखला के लिए टी-20 के मुकाबले बिल्कुल अलग पिचें देखने को मिली हैं, जो तेज गेंदबाजों के लिए मददगार साबित हो रही हैं। यही कारण है कि अब तक किसी भी टीम ने दो सौ रनों का आंकड़ा पार नहीं किया है। न्यूजीलैंड के दौरे पर भारतीय बल्लेबाजी को इन पिचों पर अपनी असली परीक्षा देनी होगी। इसके अतिरिक्त, न्यूजीलैंड का मौसम भी एक बड़ी भूमिका निभा रहा है, जहाँ बारिश ने भी मैचों को प्रभावित किया है। ऐसे में तीसरे मैच में भी मौसम और पिच की भूमिका अहम रहने की उम्मीद है, और टॉस जीतने वाली टीम पहले गेंदबाजी का फैसला कर सकती है। भारतीय बल्लेबाजी क्रम में, रोहित शर्मा और विराट कोहली जैसे दिग्गजों पर सभी की निगाहें होंगी। पहले वनडे में विराट कोहली ने अर्धशतकीय पारी खेली थी, हालांकि दूसरे मैच में वे कुछ खास प्रदर्शन नहीं कर पाए। वहीं, रोहित शर्मा भी पहले और दूसरे दोनों मैचों में विफल रहे हैं, ऐसे में उनसे एक बड़ी पारी की उम्मीद रहेगी ताकि वे टीम को मजबूत शुरुआत दे सकें।

बिजनेस

कमोडिटी मार्केट में पहले सत्र के दौरान सीमित दायरे में कारोबार, ब्रेंट और डब्ल्यूटीआई क्रूड में मामूली बढ़त

एजेंसी, नई दिल्ली



घरेलू कमोडिटी मार्केट (एमसीएक्स) में आज दिन के पहले सत्र के दौरान मिला-जुला और सीमित दायरे में कारोबार होता हुआ नजर आ रहा है। अंतरराष्ट्रीय बाजार से मिल रहे सामान्य संकेतों और त्यौहारी सीजन के बाद फिजिकल डिमांड में आए बदलाव के कारण आज सुबह मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर सोने और चांदी की कीमत में मामूली उतार-चढ़ाव होता हुआ नजर आ रहा है, जबकि बेस मेटल सेगमेंट में आज सुस्ती का माहौल है। इसके विपरीत, वैश्विक स्तर पर जियो-पॉलिटिकल तनाव के बीच इंटरनेशनल एनर्जी मार्केट में कच्चे तेल की कीमतों में आई हल्की रिकवरी का असर आज सुबह घरेलू हाजिर और वायदा कारोबार पर साफ दिखाई दे रहा है, जिससे क्रूड की कीमतों को निचले स्तर पर सहारा मिल रहा है। सर्राफा बाजार की बात करें, तो पिछले सप्ताह के दौरान रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंचने के बाद आज सुबह सोने के भाव में हल्की मुनाफावसूली होती नजर आई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर आज शुरुआती कारोबार के दौरान 24 कैरेट सोने का भाव 48 रुपये की मामूली तेजी के साथ 1,39,428 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आया।

सोने की ही तरह चांदी की कीमतों में भी आज सुबह कोई बड़ा उलटफेर नहीं हुआ है। यह चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार और एमसीएक्स पर अपने पुराने रिकॉर्ड स्तर 1,99,900 रुपये प्रति किलोग्राम के पास ही सीमित दायरे के भीतर हिचकोले खाती हुई नजर आ रही है। क्योंकि शादियों के आगामी सीजन को देखते हुए सर्राफा बाजार में ज्वैलर्स की ओर से निरंतर मांग बनी हुई है। एनर्जी मार्केट और क्रूड ऑयल सेगमेंट में पिछले सप्ताह आई लगभग 20 प्रतिशत की जोरदार गिरावट के बाद आज सुबह के सत्र में थोड़ी शॉर्ट-कवरिंग होती हुई नजर आ रही है। मध्य एशिया में ईरान विवाद की वजह से बनी अनिश्चितताओं और ऑयल टैंकर्स पर जारी छिटपुट तनावों के चलते अंतरराष्ट्रीय बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड आज सुबह वैश्विक बाजार में 0.45 प्रतिशत की मामूली बढ़त के साथ 95.75 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर पहुंचा हुआ है, जबकि अमेरिकी वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (डबल्यूटीआई) क्रूड भी सुधार दिखाते हुए 88.42 डॉलर प्रति बैरल के पास बना हुआ है। वैश्विक बाजार की इस हल्की मजबूती का असर घरेलू कमोडिटी मार्केट एमसीएक्स क्रूड फ्यूचर्स पर भी दिख रहा है, जहां आज सुबह कच्चा तेल 24 रुपये की बढ़त के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहा है। दूसरी ओर, औद्योगिक धातुओं यानी बेस मेटल सेगमेंट में चीन की विनिर्माण गतिविधियों में चल रही सुस्त रफ्तार के चलते आज भी दबाव का माहौल बना हुआ है।

कच्चे तेल के भाव में बड़ी गिरावट, 97 डॉलर प्रति बैरल के करीब आया ब्रेंट क्रूड ऑयल

एजेंसी, नई दिल्ली । अमेरिकी मध्यावधि चुनावों के नतीजे के बीच अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत में गिरावट का सिलसिला सोमवार भी जारी रहा। शुरुआती कारोबार के दौरान ब्रेंट क्रूड का भाव 96.52 डॉलर प्रति बैरल और 89.77 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया है। ऑयल प्राइस डॉट कॉम के मुताबिक फिलहाल शुरुआती कारोबार में ब्रेंट क्रूड 1.25 डॉलर यानी 1.16 फीसदी की गिरावट के साथ 96.52 डॉलर प्रति बैरल पर ट्रेंड कर रहा है। वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड भी 1.80 फीसदी यानी 1.83 फीसदी टूटकर 90.18 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है। जानकारों का कहना है कि पिछले हफ्ते अप्रैल, 2020 के बाद अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की सबसे बड़ी साप्ताहिक गिरावट दर्ज करने के बाद इसकी कीमतें और नीचे आ गईं। पिछले हफ्ते ब्रेंट क्रूड का भाव 16 फीसदी से ज्यादा गिरा है। अक्टूबर के आखिर में छह महीने के सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंचने के बाद से क्रूड ऑयल के भाव में बड़ी गिरावट देखने को मिली है।

कैंसर रोधी 1,364 दवाओं के संशोधित अधिकतम खुदरा मूल्य प्रभावी

एजेंसी, नई दिल्ली



देश में कैंसर रोधी 1,364 दवा 'फॉर्मूलेशन' के संशोधित अधिकतम खुदरा मूल्य (एमआरपी) सोमवार से लागू हो गए। राष्ट्रीय औषधि मूल्य निर्धारण प्राधिकरण (एनपीपीए) के इस कदम से उपभोक्ताओं को सालाना अनुमानित 3,540.38 करोड़ रुपये की बचत होने की उम्मीद है। रसायन और उर्वरक मंत्रालय के फार्मास्यूटिकल्स विभाग ने एक बयान में बताया कि राष्ट्रीय औषधि मूल्य निर्धारण प्राधिकरण (एनपीपीए) के द्वारा 137 कैंसर रोधी दवाओं के व्यापार विक्रय को अधिकतम खुदरा मूल्य (एमआरपी) के 30 फीसदी तक सीमित करने के बाद 1,364 कैंसर रोधी दवाओं के संशोधित अधिकतम खुदरा मूल्य (एमआरपी) 9 नवंबर 2026 से देशभर में लागू हो गए हैं। बयान के अनुसार औषधि विभाग के तहत काम करने वाले राष्ट्रीय औषधि मूल्य निर्धारण प्राधिकरण (एनपीपीए) ने स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय (डीजीएचएस) द्वारा गठित विशेषज्ञ समिति की 17 अक्टूबर, 2026 को सौंपी गई सिफारिशों के आधार पर कुल 137 कैंसर रोधी दवाओं के अधिकतम खुदरा मूल्य (एमआरपी) पर व्यापार 'मार्जिन' की सीमा तय की थी।

आठ नवंबर तक 85 दवा कंपनियों ने 121 दवाओं के 1,364 'फॉर्मूलेशन' के संशोधित एमआरपी की जानकारी दी है। रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय के औषधि विभाग ने बताया कि 679 ब्रांड के दाम में 50 फीसदी से अधिक की कटौती की गई है। सबसे अधिक 96.45 फीसदी की कटौती दर्ज की गई है। किसी भी दवा विक्रेता या अस्पताल की फार्मेसी को संशोधित अधिकतम खुदरा मूल्य से अधिक कीमत वसूलने की अनुमति नहीं है। बयान के अनुसार उपभोक्ता दवाओं के पैकेट पर छपे संशोधित अधिकतम खुदरा मूल्य, 'फार्मा सही दाम' मोबाइल ऐप या एनपीपीए की आधिकारिक वेबसाइट के जरिये दवाओं की कीमतों की जांच कर सकते हैं। इसमें कहा गया कि उपभोक्ता अधिक कीमत वसूलने या मूल्य से जुड़ी अन्य समस्याओं की शिकायत 'फार्मा जन समाधान' मंच पर दर्ज करा सकते हैं या एनपीपीए की हेल्पलाइन 1800-111-255 पर संपर्क कर सकते हैं।

सर्राफा बाजार में सांकेतिक गिरावट, सोना और चांदी की फीकी पड़ी चमक

एजेंसी, नई दिल्ली



दिवाली के अगले दिन आज शुरुआती कारोबार के दौरान घरेलू सर्राफा बाजार में सांकेतिक गिरावट का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। भाव में गिरावट आने के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,43,560 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,43,710 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,31,590 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,31,740 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में भी सांकेतिक कमजोरी आने के कारण यह चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज 2,04,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 1,43,710 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,31,740 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,43,560 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,31,590 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,43,610 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,31,640 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,43,560 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,31,590 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,43,560 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,31,590 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,43,610 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,31,640 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,43,710 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,31,740 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

वेदांत पॉली फैब्स ने निवेशकों को किया निराश, फ्लैट लिस्टिंग के बाद लगा लोअर सर्किट

एजेंसी, नई दिल्ली



फ्लैक्सिबल पैकेजिंग मैटेरियल्स का निर्माण करने वाली कंपनी वेदांत पॉली फैब्स लिमिटेड के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में फ्लैट एंट्री कर अपने आईपीओ निवेशकों को निराश कर दिया। निवेशकों को इसके बाद उस समय और करारा झटका लगा, जब कंपनी के शेयर पर लोअर सर्किट लग गया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 94 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म बिना किसी उतार चढ़ाव के 94 रुपये के स्तर पर ही हुई। फ्लैट लिस्टिंग के बाद बिकवाली का दबाव बन गया, जिससे इस शेयर की चाल में गिरावट आ गई। लगातार हो रही बिकवाली के कारण थोड़ी देर में ही यह शेयर फिसल कर 89.30 रुपये के लोअर सर्किट लेवल पर पहुंच गया। इस तरह पहले दिन के कारोबार में कंपनी के आईपीओ निवेशकों को प्रति शेयर 4.70 रुपये यानी पांच प्रतिशत का नुकसान हो गया। इस कंपनी का 56.68 करोड़ रुपये का आईपीओ दो से चार नवंबर के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से फीका रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 1.90 गुना सब्सक्राइब हो सका था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 100 प्रतिशत (एक्स एंकर) सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 1.38 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसके अलावा रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 2.26 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 60.30 लाख शेयर जारी किए गए हैं। इस इश्यू के तहत 51.01 करोड़ रुपये मूल्य के 54.26 लाख नए शेयर जारी किए गए हैं, जबकि प्रमोटर सेथसावरिया पॉली फैब एलएलपी द्वारा 5.67 करोड़ रुपये मूल्य के 6.04 लाख शेयरों की बिक्री ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिए की गई है।



‘महाकाली का पहला गाना ‘आई गिरी नंदिनी जारी, देवी के दिव्य अवतार में दिखीं श्रिया रेड्डी

प्रशांत वर्मा सिनेमैटिक यूनिवर्स की बहुप्रतीक्षित फिल्म ‘महाकाली को लेकर दर्शकों का उत्साह बढ़ता जा रहा है। ‘हनुमान की शानदार सफलता के बाद इस सिनेमाई ब्रह्मांड की अगली पेशकश ‘महाकाली में भारतीय पौराणिक कथाओं को एक नए और आधुनिक अंदाज में प्रस्तुत किया जाएगा। इसे भारतीय सिनेमा की पहली महिला सुपरहीरो फिल्मों में से एक बताया जा रहा है। फिल्म में अक्षय खन्ना असुर गुरु शुक्राचार्य की भूमिका में नजर आएंगे, जबकि भूमि शेट्टी मुख्य भूमिका में देवी महाकाली की शक्ति धारण करती दिखाई देंगी। निर्माताओं ने फिल्म का पहला गाना ‘आई गिरी नंदिनी जारी कर दिया है, जो देवी महाकाली को समर्पित है। वीडियो साझा करने वाले मंच यूट्यूब पर जारी किए गए ‘आई गिरी नंदिनी में अभिनेत्री श्रिया रेड्डी देवी महाकाली के अवतार में नजर आ रही हैं। उनके दिव्य और शक्तिशाली रूप को गीत में प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया गया है। गाने में देवी की शक्ति, भव्यता और आध्यात्मिक स्वरूप की झलक देखने को मिलती है। इस गीत को अनिला राजीव, गीता माधुरी और साई चरण ने अपनी आवाज दी है। इसके बोल आदि शंकराचार्य द्वारा रचित पारंपरिक स्तोत्र पर आधारित हैं, जबकि इसका संगीत स्मरण साई ने तैयार किया है। फिल्म में अक्षय खन्ना असुर गुरु शुक्राचार्य के महत्वपूर्ण किरदार में दिखाई देंगे। वहीं, भूमि शेट्टी देवी महाकाली की शक्ति धारण करने वाली मुख्य पात्र की भूमिका निभा रही हैं। श्रिया रेड्डी भी फिल्म में महाकाली के रूप में नजर आएंगी। इसके अलावा रोहित सराफ, खुशबू सुंदर, राकेश बेदी, जितिन गुलाटी, रजत कपूर, मुरली शर्मा और नासर सहित कई कलाकार अहम भूमिकाओं में दिखाई देंगे। ‘महाकाली प्रशांत वर्मा सिनेमैटिक यूनिवर्स का हिस्सा है, जिसकी शुरुआत वर्ष 2024 में प्रदर्शित फिल्म ‘हनुमान से हुई थी। इस फिल्म ने भारतीय संस्कृति और पौराणिक कथाओं को आधुनिक सिनेमाई शैली में प्रस्तुत कर दर्शकों के बीच खास पहचान बनाई थी। अब इसी कड़ी में ‘महाकाली के माध्यम से महिला सुपरहीरो की कहानी बड़े पर्दे पर पेश की जा रही है। फिल्म का निर्देशन पूजा अपर्णा कोल्लुरु कर रही हैं। आरके दुग्गल इस फिल्म को प्रस्तुत कर रहे हैं, जबकि रिवाज रमेश दुग्गल ने आरकेडी स्टूडियोज के बैनर तले इसका निर्माण किया है। फिल्म को लेकर दर्शकों में खासा उत्साह है। ‘महाकाली 8 जनवरी 2027 को देशभर के सिनेमाघरों में प्रदर्शित होगी।

जाह्नवी कपूर पर भड़कीं रेजिना कैसेंड्रा- सीन पसंद नहीं तो छोड़ दो, बाद में रोना क्यों ?

रेजिना के अनुसार, असहज सीन पर कलाकारों को खुलकर स्टैंड लेना चाहिए और वे यह नहीं कह सकतीं कि उनके पास फिल्म छोड़ने का अधिकार नहीं था।





तेलुगू फिल्म इंडस्ट्री में महिलाओं के साथ होने वाले बर्ताव को लेकर चर्चा जारी है। इस बीच अभिनेत्री रेजिना कैसेंड्रा ने भी अपनी राय रखी है। उन्होंने जाह्नवी कपूर और राधिका आप्टे के अपने अनुभव साझा करने का स्वागत किया, लेकिन उनके बात रखने के तरीके पर सवाल उठाए। रेजिना ने कहा कि ऐसे मुद्दों पर चर्चा करते समय सावधानी बरतनी चाहिए ताकि बॉलीवुड और साउथ फिल्म इंडस्ट्री के बीच बेवजह विवाद न बढ़े।

रेजिना कैसेंड्रा ने कहा कि अगर कलाकार किसी सीन या अपने किरदार के चित्रण से असहज हैं, तो उन्हें खुलकर स्टैंड लेना चाहिए। उन्होंने जोर देकर कहा कि अगर कलाकार किसी सीन से असहमत हैं तो उन्हें बिना मन के काम करते रहने के लिए मजबूर महसूस नहीं करना चाहिए। रेजिना ने बेहद सख्त रुख अपनाते हुए कहा कि आखिरकार हर फैसला कलाकार के अपने हाथ में होता है। रेजिना ने कहा कि कलाकारों को कभी ये नहीं कहना चाहिए कि उनके पास कोई रास्ता नहीं था। रेजिना ने साफ कहा कि एक महिला होने के नाते वो हमेशा दूसरी महिलाओं का साथ देंगी। हालांकि, उनके मुताबिक जाह्नवी कपूर और राधिका आप्टे जैसी बड़ी अभिनेत्रियां यह नहीं कह सकतीं कि उनके पास कोई फैसला लेने का अधिकार नहीं था। अगर उन्हें किसी बात से परेशानी थी तो वे फिल्म छोड़ सकती थीं। जाह्नवी के मुताबिक, उन्हें कई बार पता नहीं होता था कि किसी सीन को कैसे फिल्माया जाएगा। इस पर रेजिना बोलीं, साउथ में शूटिंग वाले दिन सुबह 6 बजे भी सीन दिए जाते हैं, लेकिन कलाकारों को कहानी और अपने किरदार की जानकारी पहले से होती है। कोई भी बिना तैयारी सेट पर नहीं पहुंचता। कई फिल्मों में तो शूटिंग शुरू होने से पहले ही पूरी स्क्रिप्ट दे दी जाती है, ताकि कलाकार अपने किरदार को अच्छी तरह समझ सकें। रेजिना ने कहा कि वो जाह्नवी और राधिका के अपनी बात रखने का समर्थन करती हैं, लेकिन बॉलीवुड अभिनेत्रियों को साउथ के बारे में सोच-समझकर बोलना चाहिए। इससे बॉलीवुड और साउथ के बीच विवाद बढ़ सकता है। उनके मुताबिक, इन मुद्दों पर बात करने और उन्हें सुलझाने के कई तरीके हैं। इसके बाद उन्होंने केसरी चैप्टर 2 का अनुभव साझा किया। फिल्म में अक्षय कुमार की पत्नी का किरदार निभाने के बावजूद उन्हें प्रमोशन में शामिल नहीं किया गया था। जाह्नवी के बयानों पर पलटवार करते हुए रेजिना ने कहा, धर्मा प्रोडक्शंस की केसरी चैप्टर 2 में मुख्य भूमिका निभाने के बावजूद मुझे प्रचार से पूरी तरह बाहर रखा गया। यहां तक कि मुझ पर फिल्माए गए गाने के रिलीज होने पर भी उन्हें न टैग किया गया, न कोई जानकारी दी गई। रेजिना ने सवाल उठाया, क्या दक्षिण भारत से होने की वजह से मेरे साथ ये बर्ताव हुआ? कुल मिलाकर बात का बतंगड़ बनाना मेरी आदत नहीं।

चांद पर पहुंचने का सपना देखेंगे गांव के चार युवा, कॉमेडी और रोमांच से भरपूर है फिल्म ‘चंद्रयान

‘राजू वेड्स रम्बाई की सफलता के बाद निर्देशक और निर्माता वेणु उडुगुला एक और दिलचस्प फिल्म ‘चंद्रयान लेकर आ रहे हैं। फिल्म का ट्रेलर जारी कर दिया गया है, जिसमें हास्य, रोमांच और अनोखे प्रयोगों से भरी कहानी की झलक देखने को मिलती है। श्रीनाथ चंद्रशेखर के निर्देशन में बनी यह फिल्म चार ऐसे युवाओं की कहानी है, जो विज्ञान और गणित की ज्यादा जानकारी नहीं होने के बावजूद चांद पर पहुंचने का सपना देखते हैं। फिल्म में शिवकुमार धीकोंडा, स्वप्ना प्रियदर्शिनी, रवि शिव तेजा, वामसीधर, लोकेश और बालगाम सत्यनारायण प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे। यह फिल्म 13 नवंबर को सिनेमाघरों में प्रदर्शित होगी।



फिल्म की कहानी मंदामरी के चार युवाओं के इर्द-गिर्द घूमती है, जो चांद तक पहुंचने का असंभव सा लगने वाला सपना देखते हैं। विज्ञान और गणित की पर्याप्त जानकारी नहीं होने के बावजूद वे अपने लक्ष्य को हासिल करने के लिए रॉकेट बनाने की कोशिश में जुट जाते हैं। इसके लिए वे गूगल का सहारा लेते हैं और ईंधन के रूप में चावल की भूसी जैसी अजीबोगरीब चीजों का इस्तेमाल करते हैं। इतना ही नहीं, अपने प्रयोगों को परखने के लिए वे एक मुर्गी तक किराए पर ले आते हैं। युवाओं की ये अनोखी तरकीबें और उनके प्रयोग कहानी में हास्य पैदा करते हैं। ट्रेलर में दिखाया गया है कि गांव के लोगों को इन युवाओं के रॉकेट संबंधी प्रयोगों से किसी बड़ी मुसीबत की आशंका है, लेकिन चारों दोस्त अपने इरादे से पीछे हटने को तैयार नहीं हैं। इसी बीच कहानी में एक हत्या के मामले का भी जिक्र सामने आता है। अभिनेता और कोरियोग्राफर बाबा भास्कर का किरदार भी ट्रेलर में दिखाई देता है, जो कहानी में नया मोड़ लेकर आता है। अब दर्शकों की उत्सुकता इस बात को लेकर है कि ये चारों युवा आखिरकार अपना रॉकेट बनाने में सफल हो पाते हैं या नहीं और क्या उनका चांद तक पहुंचने का सपना पूरा होता है। ‘चंद्रयान का निर्देशन श्रीनाथ चंद्रशेखर ने किया है। सिम्बा स्क्रीन स्टोरीज के बैनर तले प्रवीण मोलाका ने फिल्म का निर्माण किया है। फिल्म का संगीत हर्ष प्रवीण ने तैयार किया है, जबकि छायांकन की जिम्मेदारी श्रीनिवास बी ने संभाली है। फिल्म का संपादन पुल्लाराव दसारी ने किया है। हैदराबाद में आयोजित विशेष ‘रॉकेट अनावरण कार्यक्रम में निर्देशक संकल्प रेड्डी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस अवसर पर कोरियोग्राफर बाबा भास्कर सहित फिल्म की पूरी टीम मौजूद रही। हास्य और रोमांच के अनूठे मेल के साथ तैयार यह फिल्म 13 नवंबर को दर्शकों के सामने होगी।

वेंकटेश की ‘आदर्श कुटुंबम हाउस नंबर : 47 ने सात दिन में कमाए 64 करोड़ रुपये

तेलुगु सिनेमा के लोकप्रिय अभिनेता वेंकटेश दग्गुबाती की फिल्म ‘आदर्श कुटुंबम हाउस नंबर : 47 सिनेमाघरों में शानदार प्रदर्शन कर रही है। 30 अक्टूबर को रिलीज हुई इस फिल्म को दर्शकों की अच्छी प्रतिक्रिया मिल रही है। त्रिविक्रम श्रीनिवास के निर्देशन में बनी इस पारिवारिक मनोरंजक फिल्म ने रिलीज के पहले ही सप्ताह में दुनियाभर में करीब 64 करोड़ रुपये की कमाई कर ली है। खास बात यह है कि फिल्म ने अपने शुरुआती सप्ताहांत में कमाई के मामले में रजनीकांत की फिल्म ‘जेलर 2 को भी पीछे छोड़ दिया था। सैकनिल्क की शुरुआती रुझानों पर आधारित रिपोर्ट के अनुसार, ‘आदर्श कुटुंबम हाउस नंबर : 47 ने रिलीज के पहले सात दिनों में दुनियाभर में 63 .95 करोड़ रुपये का सकल कारोबार किया है। इस तरह फिल्म अब 70 करोड़ रुपये के आंकड़े से कुछ ही दूरी पर है। भारत में फिल्म का सकल कारोबार 48 .20 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है, जबकि घरेलू स्तर पर शुद्ध कमाई 41.15 करोड़ रुपये बताई जा रही है। वहीं, विदेशी बाजारों में भी फिल्म ने अच्छा प्रदर्शन किया है और अब तक 15 .75 करोड़ रुपये का कारोबार कर चुकी है। फिल्म ने पहले दिन यानी शुक्रवार को 9 .75 करोड़ रुपये की कमाई के साथ अच्छी शुरुआत की थी। इसके बाद शनिवार को इसका कारोबार बढ़कर 10 .40 करोड़ रुपये हो गया। रविवार को फिल्म ने 11 .25 करोड़ रुपये का शानदार कारोबार किया। इस तरह रिलीज के शुरुआती तीन दिनों में ही फिल्म ने कुल 31 .40 करोड़ रुपये की कमाई कर ली। इस दौरान फिल्म ने भारतीय बॉक्स ऑफिस पर शीर्ष स्थान हासिल किया और रजनीकांत की ‘जेलर 2 को पीछे छोड़ दिया। गौरतलब है कि 30 अक्टूबर से 1 नवंबर के बीच ‘जेलर 2 सिनेमाघरों में अपने तीसरे सप्ताह में चल रही थी। इस फिल्म ने 30 अक्टूबर को 5 .50 करोड़ रुपये, 31 अक्टूबर को 9 .70 करोड़ रुपये और 1 नवंबर को 11 .20 करोड़ रुपये का कारोबार किया था। इस तरह तीन दिनों में इसकी कुल कमाई 26 .40 करोड़ रुपये रही, जबकि वेंकटेश की फिल्म ने इसी अवधि में 31 .40 करोड़ रुपये जुटाकर बढ़त हासिल की। शुरुआती तीन दिनों में शानदार कारोबार करने के बाद फिल्म की कमाई में सप्ताह के बाकी दिनों में गिरावट दर्ज की गई। सोमवार को फिल्म ने 3 .40 करोड़ रुपये का कारोबार किया। वहीं, गुरुवार यानी 5 नवंबर को इसकी घरेलू शुद्ध कमाई घटकर 1.65 करोड़ रुपये रह गई। इस दिन देशभर में फिल्म के 1,635 प्रदर्शन हुए।



रामायण के आते ही उड़ता तीर का हुआ बंटाधार

14वें दिन लाखों कमाना भी हुआ मुश्किल

रणबीर कपूर की मचअवेटेड फिल्म रामायण 5 नवंबर को थिएटर्स में रिलीज हो चुकी है . इसके साथ ही बॉक्स ऑफिस पर फिल्मों के बीच मुकाबला और दिलचस्प हो गया है . इसका असर आयुष्मान खुराना और सारा अली खान की फिल्म उड़ता तीर की कमाई पर भी देखने को मिल रहा है . उड़ता तीर को रिलीज हुए 14 दिन हो पूरे हो चुके हैं और इसकी कमाई में गिरावट दर्ज की गई है . आइए जानते हैं फिल्म का 14वें दिन का कलेक्शन . आयुष्मान खुराना और सारा अली खान की फिल्म उड़ता तीर की कमाई में 14वें दिन बड़ी गिरावट देखने को मिली है . सैकनिल्क के मुताबिक, फिल्म ने गुरुवार को भारत में सिर्फ 21 लाख रुपये का नेट कलेक्शन किया, जो 13वें दिन की कमाई से 82 .5 फीसदी कम है . हालांकि, फिल्म का वर्ल्डवाइड कलेक्शन 67 .30 करोड़ रुपये पहुंच गया है . भारत में फिल्म ने अब तक 46 .46 करोड़ रुपये नेट और 55 .30 करोड़ रुपये ग्रॉस कमाए हैं, जबकि ओवरसीज कलेक्शन 12 करोड़ रुपये है . बुधवार, यानी 4 नवंबर को फिल्म ने भारत में 1 .20 करोड़ रुपये का नेट कलेक्शन किया . उड़ता तीर ने बॉक्स ऑफिस पर पहले हफ्ते में अच्छी शुरुआत की थी . फिल्म ने रिलीज के पहले 7 दिनों में भारत में 30 .90 करोड़ रुपये का नेट कलेक्शन किया था . वहीं, इसका घरेलू ग्रॉस कलेक्शन 36 .86 करोड़ रुपये रहा . हालांकि, दूसरे हफ्ते में फिल्म की कमाई में गिरावट देखने को मिली . दूसरे हफ्ते में इस स्पाई कॉमेडी ने भारत में 15 .35 करोड़ रुपये का नेट कलेक्शन किया, जबकि इसका ग्रॉस कलेक्शन 18 .20 करोड़ रुपये रहा . 23 अक्टूबर को रिलीज हुई उड़ता तीर एक स्पाई-कॉमेडी फिल्म है . फिल्म में आयुष्मान खुराना और सारा अली खान लीड रोल में है . आयुष्मान खुराना फिल्म में विक्रांत उर्फ बिलाल अहमद के किरदार में नजर आ रहे हैं ., जो एक पाकिस्तानी जासूस है, लेकिन एक हादसे के बाद उसकी याददाश्त चली जाती है . इसके बाद वो खुद को भारतीय देशभक्त और आतंकवाद के खिलाफ काम करने वाला एजेंट समझने लगता है .



दिवाली पर घर को सजाने के लिए आजमाएं ये 5 आसान और बेहतरीन तरीके

दिवाली के मौके पर घर को सजाने के लिए लोग कई तरह के सामान खरीदते हैं, लेकिन आप चाहें तो घर को कम कीमत में भी खूबसूरत बना सकते हैं। इसके लिए आपको बस थोड़ी रचनात्मकता दिखाने की जरूरत है और खुद से कुछ करने की आदत डालनी होगी। आइए आज हम आपको 5 ऐसे आसान और बेहतरीन तरीके बताते हैं, जिन्हें आजमाकर आप अपने घर को दिवाली पर आकर्षक बना सकते हैं। दिवाली पर दीयों का इस्तेमाल करना बहुत शुभ माना जाता है। ऐसे में आप मिट्टी के छोटे-छोटे दीये खरीदकर उन्हें अपने घर के मुख्य द्वार, आंगन और छत पर रख सकते हैं। इसके अतिरिक्त आप चाहें तो अपने घर के अलग-अलग हिस्सों में दीयों की कतारें भी लगा सकते हैं। मिट्टी के दीये सजावट के लिए एक पारंपरिक और सुंदर विकल्प हैं। दिवाली पर फूलों से घर को सजाना एक अच्छा विचार हो सकता है। आप चाहें तो अपने घर के मुख्य द्वार पर फूलों की माला बनाकर लगा सकते हैं। इसके लिए आपको बस ताजे फूलों की पंखुड़ियों को एक डोरी में पिरोना होगा। आप चाहें तो अपने घर के आंगन या छत पर भी फूलों से सजावट कर सकते हैं। फूलों की मदद से घर को सजाने के कई तरीके हैं, जिन्हें आप आसानी से अपना सकते हैं। रंगोली भारतीय त्योहारों का अहम हिस्सा है, खासकर दिवाली के दौरान। अगर आप रंगोली के प्रति उत्साही हैं तो अपने घर के आंगन में रंगोली बनाकर उसे आकर्षक बनाएं। इसके लिए आप अलग-अलग आकारों और डिजाइनों का उपयोग कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त आप ऑनलाइन या किताबों से रंगोली के नए डिजाइनों को देखकर उन्हें आजमा सकते हैं। रंगोली बनाने के कई तरीके हैं जो आपके घर को सुंदर बना सकते हैं। दिवाली की रोशनी का त्योहार है और मोमबत्तियां इस रोशनी को बढ़ाने में मदद करती हैं। इसके लिए आप अपने घर के अलग-अलग हिस्सों जैसे कि लिविंग रूम, सोने का कमरा और बालकनी में मोमबत्तियां जला सकते हैं। हालांकि, ध्यान रखें कि मोमबत्तियों को जलाकर किसी चीज के पास न रखें क्योंकि इससे आग लगने का खतरा बढ़ सकता है। मोमबत्तियों से सजावट का तरीका बहुत आसान है और यह आपके घर को एक अलग ही चमक देता है। अगर आप अपने घर की दीवारों को आकर्षक बनाना चाहते हैं तो इसके लिए आप ऑनलाइन या किताबों से प्रेरणा लेकर खुद की दीवारों पर डिजाइन बना सकते हैं। इसके अलावा आप अपने घर की दीवारों को सजाने के लिए दीवार पर लटकाने वाले सजावटी सामान और फ्रेम्स का भी इस्तेमाल कर सकते हैं। आप चाहें तो खुद की दीवारों पर डिजाइन बनाकर उन्हें खास बना सकते हैं।



'From India to Pakistan, everyone invited' Anant Singh on daughter's grand wedding

New Delhi, Agency: Expelled JD(U) leader Anant Singh said invitations for his daughter's grand wedding are being sent to people across India and Pakistan, insisting that political differences have no place at family celebrations. He said he would invite leaders across party lines, including Former Bihar chief minister Nitish Kumar and RJD chief Lalu Prasad Yadav.

Speaking about the wedding preparations, Singh said everyone who had shown affection towards his family was welcome, regardless of where they came from.

"Everyone who has shown us love will come. The public is like God to us; whoever comes from wherever will be a gift to me. We are sending invitation cards to everyone. I want all my friends, well-wishers and people associated with us to attend. Everyone is invited. We are contacting everyone whose phone numbers we have. Not just Bihar, invitations are being sent across India and Pakistan. Are the invitations meant only for people in Bihar? They are for everyone, everywhere. We will invite everyone. There is no ruling party or Opposition at a wedding. Such divisions exist during elections and when seeking votes, but not at weddings and family celebrations. Yes, we will invite everyone, including Nitish Kumar and Lalu Prasad Yadav," he said.



The wedding comes amid a turbulent political phase for Singh, who was expelled from the JD(U) along with his wife, former MLA Neelam Devi, for six years over alleged anti-party activities in October.

The party's Bihar unit president Umesh Singh Kushwaha had announced the decision, accusing Singh of defying party directives, using insulting language against its top leadership and campaigning for a rival candidate in the recent legislative council elections.

Despite being a JD(U) MLA, Singh had openly campaigned for Jan Suraaj Party candidate Anuj Singh against the party's nominee, MLC Neeraj Kumar, in the Patna Graduates' constituency election. The JD(U) also wrote to the Bihar Assembly Speaker seeking the termination of Singh's membership under the Tenth Schedule of the Constitution. Neelam Devi's primary membership was also terminated over her alleged involvement in anti-party activities. The expulsion was followed by another setback for Singh in the Dularchand Yadav murder case. On October 30, he said he would comply with the Supreme Court's direction to surrender by December 1. The court issued the directive while hearing a plea seeking cancellation of the bail granted to him by the Patna High Court in March. Singh, who was arrested earlier in the case for allegedly orchestrating Yadav's murder in October last year, maintained that he had faith in the judiciary and expected to secure bail again after the subsequent hearings.

'Dimagi Naxal' remark a brazen assault: Congress

New Delhi, Agency: Congress MP Jairam Ramesh on Sunday criticised Prime Minister Narendra Modi over his "Dimagi Naxals" remarks, accusing him of using the occasion of Diwali to target political rivals and alleging that his comments reflected a pattern of branding those who disagreed with his govt. In a post on X, the Rajya Sabha MP said that Modi had not spared the country even on Diwali and objected to his remarks during his visit to Bastar, where he referred to "Dimagi Naxals".

"The Prime Minister has not spared the nation even on Diwali day his trademark abuse. He has once again spoken of what he calls dimagi naxals. He has used a very



solemn non-political occasion, donned the uniform of the security forces, and hurled invectives at his political rivals. This is a brazen assault on all institutional norms, but when has that ever stopped this man?" the Congress leader said. Citing PM's earlier remarks on those demanding a caste census, Ramesh said Modi had described them as "urban naxals" on April 28, 2024, but later announced on April 30, 2025, that a caste census would be conducted as part of Census 2027.

Viral Audio Raises Extortion Allegations Against RPF Officer at Motihari Railway Station

Sagar Suraj

Approved Water Brand Dispute: Vendor Alleges 10,000 Monthly Demand; Post Commander Denies charges

MOTIHARI: A controversy over packaged drinking water sales at Bapudham Motihari railway station has raised questions about alleged extortion and the functioning of the Railway Protection Force (RPF).

Multiple audio clips circulating on social media purportedly feature RPF Post Commander Bharat Prasad speaking to different vendors and suppliers, with conversations allegedly involving calculations of money collected from them.

In one of the recordings, the speaker can allegedly be heard calculating amounts during a conversation with a supplier. However, when questioned by Border News Mirror (BNM), Prasad denied that the voice in the recordings was his. BNM does not independently verify the identity of the speaker or the authenticity of the audio clips.

However, people close to the RPF officer have claimed that the voice belongs to Prasad.

When the recording was shared with Divisional Commercial Inspector



(DCI) Hari Kishore Bhagata for verification, he did not directly address the question regarding the speaker's identity, leaving the issue unanswered.

Another audio clip purportedly features a vendor telling his supplier that he was being prevented from selling an approved water brand and was allegedly being pressured to sell another brand instead.

The controversy follows allegations by Manish Patel, proprietor of Perfect Aqua Private Limited, that Prasad demanded 10,000 every month to allow the sale of approved packaged drinking water and pressured him to switch brands. Patel has also alleged threats and interference in his business.

According to a legal notice, the company received a three-year approval on January 28, 2026, from the office of the Principal Chief Commercial Manager, East Central Railway, Hajipur, to sell one-litre and two-litre Kingfisher Premium packaged drinking water.

The notice refers to an incident on October 30 and seeks a written response within seven days.

Prasad has denied all allegations, saying the action was based on a DCI memo following the seizure of water during an earlier inspection. He clarified that company-level brand approval does not automatically authorise company representatives to sell directly on station premises.

With competing claims, viral recordings and unanswered verification questions, the railway administration's response and an impartial inquiry are now crucial to establishing the facts.

'Why funding only for temples?' Congress's Adhir Ranjan Chowdhury flags Bengal's Rs 1,000-crore plan

New Delhi, Agency: Senior Congress leader Adhir Ranjan Chowdhury on Sunday questioned the BJP-led West Bengal government's proposed Rs 1,000 crore spending over the next two years to renovate and restore ancient temples and monasteries across the state under the 'Tirthakshetra Circuit'. He said resources should be made available to people of all religions and urged the government not to create divisions among religious communities.

Speaking to reporters on the occasion of Kali Puja and Diwali, Chowdhury said the country did not belong to any one religion and that the government should adopt an inclusive approach.

"There are Gurdwaras and mosques, too; why is funding



given only to temples? If resources are to be allocated, it must be done for everyone, for people of all religions. Our country does not belong to just one religion," he said. He also appealed to the government not to create divisions between communities and called for an approach that included everyone.

Meanwhile, Congress leaders Rahul Gandhi and Mallikarjun Kharge extended Diwali greetings on Sunday, wishing people happiness, peace and harmony.

In a post on X, Rahul said, "Warm wishes to you and your family for Diwali! May the lamps of joy and prosperity light up every home. May this sacred festival bring happiness, peace, harmony, and the light of new hopes to all of India."

Kharge, in his Diwali message, wished for the darkness of injustice and ignorance to be dispelled and for the light of justice, equality and goodwill to reach every person.

"On my behalf, and on behalf of all Congress Party leaders and workers, I extend heartfelt wishes to all our fellow citizens for Diwali. May this sacred festival of lights spread the glow of happiness, peace, prosperity and joy in every home and courtyard. May the flame of love, brotherhood and harmony always burn brightly in our society.

Man's eardrum ruptured after 'assault': Gujarat court orders criminal proceedings against cop

Vadodara, Agency: A Vadodara court has ordered criminal proceedings against the then police inspector for allegedly assaulting a man in 2024, which left him with a ruptured eardrum.

Prima facie, a case was made out against the then Gorwa police station inspector, K N Lathiya, Judicial Magistrate First Class Supriya Sanyal said in an order passed on November 4.

She directed the issuance of process against Lathiya under Bharatiya Nyaya Sanhita provisions dealing with voluntarily causing grievous hurt and intentional insult.

As per complainant Moin Pathan, he was driving a car in the Gorwa area of Gujarat's



Vadodara city on the night of November 4, 2024, when he was attacked by four-five men on motorcycles. Pathan called his brother, Mohammad Ahmed Khan, for help, who then called up the police control room. Despite his call, no police assistance arrived.

When Lathiya later arrived at the scene, he was in a private black car and not in his uniform. "He took both parties (the car driver and the individuals on the motorcycle) to the Gorwa police station.

"There, he subjected the two complainants (Pathan and his brother) to a severe beating, which caused Moin's eardrum to rupture," the complainant's lawyer, Darshan Patel, alleged.

Pathan received medical treatment the following day. The police inspector filed a case under the Prohibition Act against Pathan and his brother.

Following the alleged police brutality, the brothers approached the police commissioner, the state Director-General of Police, and the Home Minister for action against Lathiya. When no action was taken, they approached the court.

'Karnataka needs no permission for Mekedatu': DK Shivakumar on Tamil Nadu CM Vijay's letter to PM Modi

New Delhi, Agency: Karnataka chief minister DK Shivakumar on Sunday asserted that there is "no need of permission" to build the Mekedatu reservoir across the Cauvery river, which has been at the centre of a long-standing water-sharing dispute between Karnataka and neighbouring Tamil Nadu.

Shivakumar's remarks came after his Tamil Nadu counteprart C Joseph Vijay wrote to Prime Minister Narendra Modi. In his letter, Vijay urged PM Modi to ensure that Karnataka is not granted any clearance to construct the Mekedatu dam without the consent of the other Cauvery basin states, including Tamil Nadu.

"I hope that Tamil Nadu's chief minister know the law of the land. No need of permission from anyone. The Supreme Court has already given permission that Karnataka is eligible to build the dam on its own site. And it has put a condition that we should give them 177 TMC of water. That is the condition," Media quoted the Karnataka chief minister as saying. Shivakumar claimed that the Mekedatu reservoir would ultimately benefit Tamil Nadu more than Karnataka.

"Tamil Nadu will have more benefit from the Mekedatu reservoir.



Balance it is called a balancing reservoir," he said.

He further said that Karnataka had identified 5,400 hectares of forest land for compensatory afforestation to meet environmental requirements. The process is underway, after which the state will approach the water commission for clearance.

Shivakumar reassured Vijay that Karnataka would honour its commitments and not misuse the water stored in the reservoir.

"I appeal to the Tamil Nadu chief minister; please send a team. We will not misuse this. We stand by our word," he stated.

He furher called for cooperation between Karnataka and Tamil Nadu, saying the two states should respect the Supreme Court's verdict and work together on water-sharing issues.

"There's no question of fighting. The fighting days are over. The Supreme Court has given a verdict. Let us respect the law of this land. Let us work together.

Man loses Rs 2.69 lakh to cyber fraud after WhatsApp video call in Kannur

New Delhi, Agency: A 65-year-old man lost Rs 2.69 lakh after cyber fraudsters allegedly hacked his mobile phone during a WhatsApp video call while he was trying to return footwear bought online, police said on



Sunday.

The victim, a resident of Dharamshala in Kannur district, had ordered the footwear from an online shopping platform but sought a return as the size was wrong, police said.

On November 5, while he was trying to reschedule the pick-up of the item, he received a call from an unknown number. At the same time, he got a WhatsApp video call from another number, police said.

The fraudsters allegedly hacked his phone while the video call was on and withdrew Rs 2,69,500 from his bank accounts, held at different branches, the FIR said. When he realised the money had been withdrawn, he approached the bank, but the amount could not be recovered, police said.

Postgraduate doctors quit premier medical institutes, shows RTI reply

New Delhi, Agency: Postgraduate doctors are walking away from residency programmes at some of India's leading medical institutions. RTI replies show exits across AIIMS campuses and JIPMER, with AIIMS Delhi alone reporting 34 junior resident departures in 2025.

While several institutes lack consolidated data on psychiatric counselling or workplace stress among residents, Dr Lakshya Mittal, chairperson of United Doctors Front (UDF), said multiple RTI applications filed by its members had revealed postgraduate doctors quitting premier med-



ical institutions despite securing top NEET-PG ranks. He cited complaints of duties extending beyond 36 hours, workplace harassment, toxic work culture and inadequate support.

"Residency is meant to train doctors, not break them. Discipline is not humiliation and dedication is not exploitation," Mittal said, urging authorities to enforce working-hour regulations, establish independent grievance-redressal mechanisms and fix institutional accountability. UDF has also filed a PIL in the Supreme Court.

However, the figures from individual institutions show that departures have continued, even as some reported a decline. At AIIMS Delhi, 34 junior resident doctors quit in 2025, compared with 60 in 2024, a decline of about 43%. The number of residents joining also fell, from 324 in 2024 to 267 in 2025. Department-wise figures show the highest number of exits in anaesthesiology at seven, followed by ophthalmology at six. Surgery reported three exits, as did pathology. Ophthalmology had recorded 14 exits in 2024.

JIPMER, Puducherry, also reported a decline in resignations. A combined count of departures from its January and July batches shows 44 residents resigned in 2025, compared with 60 in 2024, a fall of nearly 27%. However, exits continued across several specialities, including anaesthesiology, emergency medicine, orthopaedics, pathology and surgery.